संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 306
पृष्ठ 8
शुक्रवार
26 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जानिए क्यों भगवान शिव ...

विचार- आम जनता के लिए निराशा का बजट

खेल- आईपीएल फ्रेंचाइजियों की बड़ी मांग..

सुमन ढींगरा दुग्गल को मिला महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2024

२१ कवयित्रियाँ भी नवाजी गईं शहर समता गौरव सम्मान से

प्रयागराज । आज शहर समता के सभागार में एक अलंकरण समारोह में सुमन ढींगरा दुग्गल को महिला श्री साहित्य साधना सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ कवयित्री सुमन दुग्गल ढींगरा को सम्मान देने से पूर्व शहर समता विशेषांक का लोकार्पण किया गया। इसका संपादकीय वाचन शहर समता के संपादक व कवि, लेखक उमेश श्रीवास्तव ने किया। तत्पश्चात सुमन ढींगरा दुग्गल को शाल ओढ़ाकर, प्रशस्तिपत्र और इक्यावन सौ रुपए नकद प्रदान किया गया।

इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ रचनाकार श्रीप्रकाश मिश्र ने की। मुख्य अतिथि डॉक्टर राम जी मिश्र रहे। विशिष्ट अतिथि रही कवयित्री प्रेमा राय, डाक्टर ऊषा मिश्रा तथा प्रोफेसर सरोज सिंह रहीं।

इस सम्मान समारोह में शहर समता महिला काव्यगोष्ठी की चयनित 21 पदाधिकारियों को शहर समता गौरव सम्मान से भी सम्मानित किया गया, जिसमें अर्चना चौहान उ0प्र0, शोभा त्रिपाठी छत्तीसगढ़,उमा मिश्रा प्रीति म0प्र0, नीता शर्मा शिलांग इकाई मेघालय, अफरोज अजीज दिल्ली इकाई दिल्ली, आनोवारा खातुन विश्वनाथ इकाई असम, रंजना बिनानी तिनसुकिया गोलाघाट इकाई असम, अंजू भारती बिहार, यामा शर्मा महासचिव देहरादून इकाई उत्तराखंड, साधना शुक्ला भोपाल इकाई मध्य प्रदेश,अनीता दूबे जबलपुर इकाई मध्य प्रदेश,सीमा वर्णिका कानपुर इकाई उत्तर प्रदेश, प्रवीणा त्रिवेदी नोएडा इकाई उत्तर प्रदेश, आकाँक्षा पाल प्रयागराज इकाई उत्तर प्रदेश, विभा श्रीवास्तव गोंडा इकाई उत्तर प्रदेश, रितु बाला रस्तोगी, बिजनौर इकाई उत्तर प्रदेश, श्रद्धा कश्यप धमतरी इकाई छत्तीसगढ़, संगीता बनाफर बिलासपुर छत्तीसगढ़, रीना प्रदीप कुमार हैदराबाद कें नाम उल्लेखनीय हैं।

इस अवसर पर शहर समता संपादक उमेश श्रीवास्तव के अतिरिक्त शहर समता महिला काव्य गोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्षा रचना, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, शम्भुनाथ श्रीवास्तव, प्रकाशक रंजन पांडेय, शाहीन खुशबू, पुरुष काव्य गोष्ठी के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह राज, अनामिका तिवारी, अशोक कुमार श्रीवास्तव कुमुद, देवी प्रसाद पाण्डेय, डाक्टर मंजू प्रकाश, मिली श्रीवास्तव, निखिलेश मालवीय, चेतना चितेरी आदि ने काव्यपाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन रचना सक्सेना ने किया।

मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों से सीएम ने की बैठक

● विधायक नंद किशोर गुर्जर बोले, मैं विधायक हूं मैं कह रहा हूं यह सबूत नहीं है क्या?

,लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा के लिए मंडलवार जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे है। पूर्वांचल और अवध के मंडलों की समीक्षा के बाद अब पश्चिम के मंडलों की समीक्षा शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। जहां मुख्यमंत्री ने बुधवार विधायकों को क्षेत्र की जनता से बराबर संवाद बनाए रखने और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनने की भी सलाह देने के साथ ही अधिकारियों के खिलाफ ठोस सबूत लाने की बात कही। विधायकों द्वारा अधिकारियों के न सुनने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि कोई अधिकारी नहीं सुन रहा है तो उसके खिलाफ ठोस सबूत के साथ शिकायत करें, तभी उस अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होगी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा लोकसभा चुनाव में यूपी में बीजेपी के खराब प्रदर्शन की हो रही है। सीएम लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर बीजेपी के विधायकों और सांसदों को बुला रहे हैं बीजेपी के सहयोगी दलों के विधायकों और सांसदों को भी बुलाया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ एक कॉमन सवाल सबसे पूछते हैं कि बीजेपी को वोट कम क्यों मिले? सूत्रों की माने तो इस हार को लेकर ज्यादातर विधायकों ने सीएम योगी से कहा कि विपक्ष का पड़ा का फैलाया हुआ झूठ पूरी तरह से लोगों के दिमाग में भर गया था और इसके साथ ही अधिकारियों हमारे कार्यकर्ताओं के अंदर नाराजगी थी कि हम उनका कोई काम नहीं कर पा रहे हैं सही काम के लिए भी अधिकारी करने को तैयार नहीं होते थे जिससे कि इस लोकसभा चुनाव में अपना ही कार्यकर्ता संवेदनशील नहीं रहा। विधायकों द्वारा अधिकारियों के न सुनने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि कोई अधिकारी नहीं सुन रहा है तो उसके खिलाफ ठोस सबूत के साथ शिकायत करें, तभी उस अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक के जनप्रतिनिधियों से अधिकारियों के खिलाफ ठोस सबूत लाने की बात कही लेकिन उनके इस निर्देश पर गाजियाबाद के लोनी से विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि अधिकारी मनमानी करते हैं जहा तकसबूत की बात है तो... सबूत क्या होता है मैं विधायक हूं मैं कह रहा हूं यह सबूत नहीं है क्या, विधायक का प्रोटोकॉल चीफ सेक्रेटरी से ऊपर होता है।

मोदी शुक्रवार को कारगिल जाएंगे

विश्व की सबसे ऊंची सुरंग के लिए पहला विस्फोट करेंगे

नयी दिल्ली/श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कारगिल क्षेत्र का दौरा करेंगे और इस दौरे में वह लद्दाख क्षेत्र में वीडिया कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विश्व की सबसे ऊंची शिंकुन ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक श्री मोदी कल सुबह लगभग 9:20 बजे कारगिल युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे। वह करगिल युद्ध के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शिंकुन ला सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी दोहरी सुरंग प्रणाली का निर्माण किया जायेगा। यह सुरंग निमू–पदुम–दारचा मार्ग पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर बनायी जा रही और इससे लेह के लिए हर मौसम में आवागमन की सुविधा होगी। सरकार का कहना है कि शिंकुन ला सुरंग सशस्त्र बलों और उपकरणों की तीव्र और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी। गौरतलब है कि 1999 में, पाकिस्तानी सैनिकों और कई समूहों के आतंकवादियों ने रणनीतिक श्रीनगर–लेह राजमार्ग पर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास द्रास से बटालिक सेक्टर तक की चोटियों पर कब्जा कर लिया था। भारतीय सेना ने बाद में भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर एक बड़ा अभियान चलाया और 74 दिन की लड़ाई के बाद सेना अपने क्षेत्र को वापस जीतने में कामयाब रही।

सपा नेता आजम खान के जौहर विवि पहुंची राजस्व की टीम

रामपुर, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी में राजस्व की टीम गुरुवार को शत्रु संपत्ति को चिन्हित करने पहुंची। इस दौरान शत्रु संपत्ति विभाग के पर्यवेक्षक भी मौजूद रहे। नायब तहसीलदार ने बताया कि मुकदमा में वांछित पैमाइश के चलते दोबारा पैमाइश की जा रही है। इसमें पिलर बनाकर सीमांकन किया जा रहा है। इससे पहले इस मामले में स्टे हो गया था। अब यह पैमाइश की जा रही है। पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान पर फिर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। आजम के खिलाफ एक मामला नदी की जमीन कब्जाने का है। जबकि, दो मामले शत्रु संपत्ति कब्जाने के हैं। कब्जा की गई जमीन को जौहर यूनिवर्सिटी में मिलाया गया था। शत्रु संपत्ति कब्जाने वाले मामलों में उनके अलावा पत्नी और दोनों बेटे भी आरोपी बनाए गए हैं। भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने शत्रु संपत्ति कब्जाने के मामले में केस दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि आजम खान ने शत्रु संपत्ति को अपने जौहर विश्वविद्यालय में मिलाया है। इस सिलसिले में राजस्व विभाग की टीम ने जांच शुरू की। सपा नेता आजम खान ने साल 2006 में आलियागंज में अपने ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना का काम शुरू किया था।

जमुई में एक ही परिवार के 2 बच्चों की सांप के काटने से मौत

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई जिले से एक दिल–दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पर एक ही परिवार के दो बच्चों की सांप के काटने से मौत हो गई है। वहीं, मासूमों की मौत के बाद स्वजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम छाया हुआ है। जानकारी के मुताबिक, जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के मड़ैया पंचायत के पतलघटा गांव की है। मृतक बच्चों की पहचान पतलघट्टा निवासी मनोज दास की 12 वर्षीय पुत्री रानी कुमारी और सात वर्षीय नाती अनीश कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बरहट प्रखंड के लखय गांव निवासी अजय दास का पुत्र अनीश अपनी नानी के घर आया हुआ था। बुधवार की रात सोए अवस्था में अनीस और रानी को सांप ने डस लिया। वहीं, इसके बाद दोनों बच्चों को सदर अस्पताल जमुई ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए शेखपुरा रेफर कर दिया। बच्चों को शेखपुरा ले जाया जा रहा था तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया। दोनों बच्चों को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

प्रियंका गांधी का मोदी सरकार पर तंज, कहा-

देश में ''शहंशाह'' की अवधारणा अभी भी मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के दरबार और अशोक हॉल का नाम बदलने को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि देश में ''शहंशाह'' की अवधारणा अभी भी मौजूद है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 'दरबार' की कोई अवधारणा नहीं है बल्कि 'शहंशाह' की अवधारणा है। आपको बता दें कि राष्ट्रपति भवन के 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदल दिया गया है। इसके अब श्गणतंत्र मंडपश और श्अशोक मंडपश कर दिया गया। एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन, भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास, राष्ट्र का प्रतीक और लोगों की एक अमूल्य विरासत है। इसे लोगों तक और अधिक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के वातावरण को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास किया गया है। इसी कड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन के दो महत्वपूर्ण हॉलों, 'दरबार हॉल' और 'अशोक हॉल' का नाम बदलकर क्रमशः 'गणतंत्र मंडप' और 'अशोक मंडप' करने पर प्रसन्न हैं। 'दरबार हॉल' राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का स्थान है। 'दरबार' शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और ब्रिटिशों की अदालतों और सभाओं से है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता यानी 'गणतंत्र' खो गई। 'गणतंत्र' की अवधारणा प्राचीन काल से भारतीय समाज में गहराई से निहित है, इसलिए 'गणतंत्र मंडप' आयोजन स्थल के लिए एक उपयुक्त नाम है। 'अशोक हॉल' मूलतः एक बॉलरूम था। 'अशोक' शब्द का अर्थ किसी ऐसे व्यक्ति से है जो ''सभी कष्टों से मुक्त'' या किसी भी दुःख से रहित है। इसके अलावा, श्अशोकश का तात्पर्य एकता और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के प्रतीक सम्राट अशोक से है। भारत गणराज्य का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ के अशोक का सिंह शिखर है। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ–साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। श्अशोक हॉलश का नाम बदलकर श्अशोक मंडपश करने से भाषा में एकरूपता आती है और कुंजी को बरकरार रखते हुए अंग्रेजीकरण के निशान दूर हो जाते हैं।

केंद्र सरकार के खिलाफ एआईएसएफ ने निकाला विधानसभा मार्च

पटना, एजेंसी। नीट परीक्षा को लेकर विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिहार की राजधानी पटना में ऑल स्टूडेंट्स फेडरेशन(एआईएसएफ) ने विधानसभा मार्च निकाला। इस मार्च में फेडरेशन से जुड़े युवा शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने नीट परीक्षा को लेकर केंद्र सरकार पर जोरदार निशाना साधा। छात्रों का जुलूस पटना स्थित बीएन कॉलेज से शुरू होकर कारगिल चौक, जेपी गोलंबर होते हुए विधानसभा पहुंच ही रहा था कि गांधी मैदान कारगिल चौक पर पुलिस के द्वारा प्रदर्शनकारियों को रोक दिया गया। इस दौरान काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। ऑल स्टूडेंट्स फेडरेशन(एआईएसएफ) के राष्ट्रीय सचिव अमीन हमजा ने कहा कि हम लोग यहां पर नीट, यूजीसी, एनटीए में हुई व्यापक धांधली के खिलाफ विधानसभा मार्च निकाल रहे हैं।

इरफान सोलंकी केस में हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा

सपा के पूर्व विधायक ने 7 साल की सजा के खिलाफ अपील की है, 8 अगस्त को सुनवाई

प्रयागराज। सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की अपील पर आज यानी गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने दो हफ्ते में यूपी सरकार से जवाब मांगा है। मामले में 8 अगस्त को अगली सुनवाई होगी। इरफान सोलंकी ने महिला का घर जलाने के मामले में मिली 7 साल की सजा के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर की है। अंतिम फैसला आने तक सजा पर रोक लगाए जाने और जमानत पर रिहा किए जाने की भी मांग की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस राजीव मिश्रा की सिंगल बेंच ने सुनवाई की। कानपुर की सीसामऊ विधानसभा से सपा के निवर्तमान विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी को एमपी–एमएलए कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई है। सजा रद्द करने के लिए इन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। इरफान सोलंकी इस समय महाराजगंज जेल में बंद है।

इरफान सोलंकी की विधानसभा सदस्यता चली गई थी

इरफान सोलंकी के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय के मुताबिक, सजा के कारण विधायक इरफान सोलंकी की विधानसभा सदस्यता चली गई है। यदि सजा पर रोक की राहत मिलती है तो विधायकी वापस हो सकती है। कानपुर की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट ने 7 जून 2024 को सपा विधायक इरफान सोलंकी समेत पांच लोगों को 7 साल की कैद और जुर्माने की सजा सुनाई है। जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में नजीर फातिमा नाम की एक महिला का घर जलाए जाने के मामले में दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई गई है। सोलंकी सीसामऊ सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गए थे। सजा के बाद विधायकी छिन गई है।इरफान सोलंकी अभी महाराजगंज जेल में बंद है। समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी, शौकत पहलवान, इसराइल आटे वाला और मोहम्मद शरीफ को एमपीएमएल कोर्ट ने 7 साल की सजा के साथ 30 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया था। नजीर फातिमा नाम की महिला ने 8 नवंबर 2022 को जाजमऊ थाने में घर कब्जा करने की मंशा से आगजनी करने का मामला दर्ज कराया था।

प्रयागराज में छात्रा को अगवाकर गैंगरेप

परिजनों–आक्रोशित भीड़ ने थाने का घेराव कर की नारेबाजी, आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित

मेजा। प्रयागराज के मेजा में नगर पंचायत कोरांव की एक नाबालिग छात्रा के साथ गैंगरेप मामले में आक्रोशित परिजनों और नगरवासियों ने थाने का घेराव किया। नवागत थाना प्रभारी नितेंद्र शुक्ला को कार्रवाई करने के लिए पुलिस आयुक्त प्रयागराज को संबोधित ज्ञापन सौंपा। बीती 18 जुलाई को घर से कोचिंग पढ़ने गई छात्रा को कुछ युवकों ने तहसील मुख्यालय कोरांव के बगल में कांशीराम कालोनी से बोरे में भरकर उठा ले गए। आरोप है कि वहां उसके साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया। जिसके बाद पीड़िता के पिता द्वारा दो नामजद सहित एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध तहरीर दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले में नामजद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं नवागत थाना प्रभारी नितेंद्र शुक्ला ने कार्यभार संभाल लिया। जिसके बाद आक्रोशित परिजनों और नगरवासियों ने आज फिर थाने का घेराव कर कार्रवाई हेतु ज्ञापन सौंपा है। सभी इंटर कॉलेजों के पास पुलिस बल तैनात करने, गोपाल विद्यालय के पास स्थापित पिंक पुलिस बूथ पर पुलिस बल की तैनाती कराने समेत जिस गाड़ी से छात्रा को अगवा कर ले जाया गया, उस गाड़ी का पता लगा कर उसके विरुद्ध कार्रवाई करने तथा शेष अन्य आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने की मांग की गई। थाने का घेराव करने के दौरान प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य अरुण कुमार चतुर्वेदी, पिंटू चौबे, शशि द्विवेदी एडवोकेट, बृजेश तिवारी, योगेंद्र मिश्रा, अनूप मिश्रा, प्रमोद मिश्रा समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नैनी जेल से रिहा हुए उदयभान करवरिया

पत्नी और समर्थक लेने पहुंचे, बोले- हम दो पार्टियों के राजनीतिक षड्यंत्र में फंस गए

प्रयागराज। प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल में उम्र कैद की सजा काट रहे बारा के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया की आज गुरुवार सुबह रिहा हो गए। रिहाई के समय उनकी पत्नी पूर्व भाजपा विधायक नीलम करवरिया, बेटा सक्षम करवरिया और अन्य समर्थक भी जेल के बाहर मौजूद रहे। राज्य सरकार ने अच्छे चाल चलन की वजह से समय पूर्व उनकी रिहाई का आदेश दिया था। यह आदेश 19 जुलाई को जारी हुआ था। वह पिछले 10 वर्षों से जेल में थे। मीडिया के सवाल पर वह कुछ भी बोलने से बचते रहे। उन्होंने कहा– न्याय प्रक्रिया पर बोलना ठीक नहीं होगा। हम तो प्रोफाइल का शिकार होकर फंस गए। दो पार्टियों की राजनीतिक षडयंत्र के चलते 10 साल जेल काटना पड़ा। उदयभान करवरिया ने कहा– जेल से बाहर आने के बाद सबसे पहली प्राथमिकता पत्नी का इलाज कराना होगा। उन्हें लीवर सोराइसिस है, इसलिए उनका लीवर ट्रांसप्लांट कराना है। करवरिया को एमएलए जवाहर पंडित हत्याकांड में उम्रक़ैद की सजा सुनाई गई थी। 28 साल पहले हुए इस हत्याकांड में पहली बार प्रयागराज ने एके–47 की आवाज सुनी थी। डेढ़ मिनट तक एके–47 से फायरिंग हुई थी। सजायाफ्ता उदयभान की रिहाई की मंजूरी राज्यपाल से मिली। डीएम और एसएसपी प्रयागराज ने भी समयपूर्व रिहाई की हरी झंडी दिखाई। उदयभान करवरिया नैनी सेंट्रल जेल में बंद थे। पूर्वांचल की राजनीति में उदयभान ब्राह्मण वर्ग का एक बड़ा चेहरा हैं। उप–चुनाव से पहले उनकी रिहाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

क्या बोली जवाहर पंडित की पत्नी : जवाहर पंडित की पत्नी विजमा यादव ने कहा– सरकार को सोचना चाहिए कि जिसने तीन–तीन मर्डर किए हों, उसको माफी दी जा रही है। इस तरह से तो फिर जो फर्जी सजा काट रहे हैं, उनको भी माफी दी जाए। हम सरकार के इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। राज्यपाल के पास भी गुहार लगाएंगे कि हमको न्याय मिलना चाहिए।

क्यों समय से पहले हो रही उदयभान की रिहाई?

संविधान के अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल ने उदयभान करवरिया की सजा माफ की गई है। इसके बाद कारागार विभाग ने पूर्व विधायक की रिहाई का आदेश जारी किया था। आदेश में कहा गया– 30 जुलाई 2023 तक उदयभान करवरिया ने 8 साल 3 महीने 22 दिन की अपरिहार सजा और 8 साल 9 महीने 11 दिन की सपरिहार सजा काट ली है। एसपी और क्ड प्रयागराज ने समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की है। जेल में करवरिया का आचरण उत्तम रहा है। दयायाचिका समिति ने भी उनकी समय से पहले रिहाई की सिफारिश की थी।

दिनदहाड़े पूर्व विधायक की हुई थी हत्या

प्रयागराज में 13 अगस्त 1996 को सपा के पूर्व विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। एके–47 से जवाहर पंडित पर फायरिंग की गई थी। इस हत्याकांड में तीन भाइयों पूर्व बसपा सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया और पूर्व बसपा एमएलसी सूरजभान करवरिया को दोषी पाया गया। करवरिया बंधुओं को 4 नवंबर 2019 में उम्रक़ैद की सजा सुनाई गई।

बालू के ठेकों के वर्चस्व में हुई हत्या, 7 नामजद किए गए

करवरिया परिवार और पूर्व जवाहर पंडित के बीच बालू के ठेकों पर वर्चस्व को लेकर अदावत थी। जवाहर पंडित हत्याकांड की मेन वजह भी यही रही। सात लोगों को नामजद किया गया। इनमें कपिलमुनि करवरिया, उनके भाई उदयभान करवरिया, सूरजभान करवरिया और उनके रिश्तेदार रामचंद्र उर्फ कल्लू नामजद समेत अन्य थे। लेकिन, राजनीति में तीनों भाइयों का रसूख बढ़ता गया। उदयभान विधायक बने, तो उनके भाई बसपा से सांसद और एमएलसी। केस में नामजद उदयभान के चाचा श्याम नारायण करवरिया उर्फ मौला महाराज की 1996 में मौत हो गई।

कलराज मिश्रा ने करवरिया बंधुओं के पक्ष में गवाही दी

सपा विधायक जवाहर पंडित हत्याकांड ने राजनीतिक सरगर्मी तब तेज कर दी, जब तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कलराज मिश्रा ने कपिलमुनि करवरिया के पक्ष में गवाही दी। जवाहर की हत्या के बाद उसके भाई सुलाकी यादव ने अपनी तहरीर में करवरिया भाइयों को नामजद किया। तब तीनों भाइयों ने दावा करते हुए कहा– हम लोग घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। कपिल मुनि करवरिया का दावा था– वो उस दिन इलाहाबाद में नहीं, बल्कि पूरा दिन कलराज मिश्र के साथ थे। इस बयान के बाद कलराज मिश्रा ने तत्कालीन राज्यपाल रोमेश भंडारी को खुला खत लिखा। उन्होंने केस की ब्लैक जांच की मांग की। कलराज मिश्र कपिलमुनि के पक्ष में गवाही देने आए, लेकिन कोर्ट ने उनकी गवाही को स्वीकार नहीं किया।

सपा सरकार आते ही करवरिया बंधुओं पर कसा शिकंजा

2012 में यूपी में सरकार बदली, तो स्थितियां भी बदल गईं। जवाहर पंडित हत्याकांड की सुनवाई तेज हो गई। 2013 में हाईकोर्ट ने मामले की कार्यवाही में लगा स्टे खारिज कर दिया। लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे उदयभान को गिरफ्तार करने का वारंट निकाल दिया। उदयभान 2 महीने फरार रहे। एक जनवरी 2014 को उन्होंने सरेंडर कर दिया। बाद में कपिल मुनि और सूरजभान भी जेल चले गए। तीनों भाई जेल चले गए, तो 2017 में भाजपा ने उदयभान की पत्नी नीलम को मेजा सीट से चुनाव लड़ाया। यह पहला मौका था, जब भाजपा ने मेजा से पहली बार जीत दर्ज की।

मेरी जान को खतरा है, जेल परिसर में सुनवाई हो

सरेंडर करने के बाद जेल भेजे गए उदयभान करवरिया ने 2015 में अपनी जान को खतरा बताया। तब जिला अदालत में पेशी पर पहुंचे उदयभान ने कोर्ट से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था– सपा विधायक विजमा यादव और उनके भाई रामलोचन से उनकी पुरानी दुश्मनी है। ऐसे में वे उनकी हत्या कर सकते हैं। कोर्ट को दिए प्रार्थना पत्र में करवरिया ने कहा था– मेरी हत्या का पूरा बंदोबस्त कर लिया गया है। मेरे मुकदमे की सुनवाई जेल परिसर में ही की जाए या फिर CRPF की सुरक्षा में उन्हें जिला अदालत में लाया जाए। उन्होंने यूपी पुलिस के ऊपर अविश्वास जताया। यह भी कहा– राज्य में सपा की सरकार है, ऐसे में सपा विधायक विजमा यादव और उनका भाई उनकी हत्या करा सकते हैं।

सजा से पहले भाजपा सरकार ने की केस वापसी की पैरवी

करवरिया बंधुओं को सजा होने के ठीक 13 महीने पहले 4 अक्टूबर 2018 को उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद सेशन कोर्ट में केस वापसी की अर्जी दाखिल की थी। सरकार की तरफ से कहा गया था– करवरिया बंधुओं के के खिलाफ आरोप साबित होने के लिहाज से पर्याप्त सबूत नहीं है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ जवाहर पंडित की पत्नी विजमा यादव हाईकोर्ट गईं। हाईकोर्ट ने सरकार की इस अपील को खारिज कर दिया। इसके साथ ही केस को जारी रखने के निर्देश दिए थे। इसके बाद तीनों भाइयों को उम्रक़ैद की सजा सुनाई गई।

प्रयागराज में पिता के संघर्ष ने बेटे को बनाया डॉक्टर

मोहम्मद गुफरान ने किग्रिस्तान से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की, अब जनहित की सेवा में लगेंगे

फूलपुर, प्रयागराज। मेहनत खामोशी से की जाए तो सफलता शोर मचा देती है। कुछ ऐसी ही खामोशी से पढ़ाई करते हुए एक बेटे ने अपने माता–पिता और परिवार का सपना सच किया है। प्रयागराज के दमगड़ा उतराव निवासी गुफरान ने अपने मां–बाप के सपनों को साकार किया है। दमगड़ा उतराव निवासी अब्दुल गफ्फार के बेटे डॉक्टर मोहम्मद गुफरान ने अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने नीट का एग्जाम पास कर किग्रिस्तान से एमबीबीएस की डिग्री अच्छे अंकों से पास किया है। अब वह अपने देश में ही जनहित की सेवा में लगेंगे। बता दें कि मोहम्मद गुफरान के पिता अब्दुल गफ्फार ने गांव में ही एक क्लीनिक खोलकर बेटे को पढ़ाया। वहीं माता गृहणी है। डॉक्टर गुफरान ने बताया कि उनके दादा से यह प्रथा चली आ रही है। लेकिन एमबीबीएस की डिग्री पैसे के आभाव में कोई नहीं ले सका। कम पैसे के कारण डॉक्टर मोहम्मद गुफरान ने विदेश किंग्रिस्तान में जाकर अपनी एमबीबीएस की डिग्री पूरी की। उन्होंने बताया कि सफलता का श्रेय माता–पिता बड़े भाई मोहम्मद इरफान पर जाता है।

करीब 200 घरों के इस गांव से गुफरान पहला डॉक्टर बने

कई हजार की संख्या वाले गांव में लगभग 200 घरों से ज्यादा लोग रहते हैं। यहां डॉक्टर गुफरान पहले डॉक्टर बने हैं। उन्होंने कहा कि मेरा पहला कर्तव्य गरीब जरूरतमंदों को मुफ्त में इलाज करना। उनकी देखरेख करना। मैं जनहित के लिए हमेशा खड़ा रहूंगा।

प्रयागराज में सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत

सुबह गांव के लोगों ने सड़क पर शव पड़ा देखा, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मेजा। प्रयागराज के मेजा में बीती रात को कोरांव कोहडार नेशनल हाईवे मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक राम बहादुर (65) निवासी ग्राम हरगढ़ थाना मेजा अपने पड़ोसी के रिश्तेदार को कोरांव थाना क्षेत्र के तराव गांव में बीती रात को घर से बाइक लेकर छोड़ने आए थे। छोड़कर वापस जाते नेशनल हाईवे मार्ग पर गौरा गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बीच सड़क पर गिर गए। मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब गांव के लोग उठे तो देखा कि बीच सड़क हादसे में कोई मृत पड़ा है। आस–पास के लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। मौजूद लोगों ने घटना की सूचना कोरांव पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मोबाइल फोन के माध्यम से परिजनों को दी गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी चंद्रावती का रो–रो कर बुरा हाल हो गया है । मृतक की पांच बेटिया तथा एक बेटा है। मृतक का बेटा राम प्रसाद ने बताया कि गांव के पड़ोसी के रिश्तेदार राकेश आदिवासी को तराव गांव छोड़ने गए थे। वहां से खाना खाकर रात 11 बजे के करीब घर के लिए निकले थे। लेकिन सुबह तक घर नहीं पहुंचे। सुबह फोन लगाने के लिए सोच रहा था, उसी समय पिता की मौत की खबर मिल गई। उधर थाना प्रभारी राकेश कुमार भारती ने बताया कि मृतक के बेटे राम प्रसाद की तहरीर पर अज्ञात पर मुकदमा पंजीकृत कर शव को पीएम के लिए भेज दिया गया। अग्रिम कार्यवाही प्रचलित है।

प्रयागराज का युवक थाईलैंड में बंधक, इंडियन एंबेसी एक्टिव हुआ

विदेश मंत्रालय, खुफिया, LIU, इंटेलिजेंस ने वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कीय परिवार से बात की

प्रयागराज। प्रयागराज के युवक को थाईलैंड में बंधक बनाए जाने के मामले में विदेश मंत्रालय, खुफिया विभाग, एलआईयू, स्टेट इंटेलिजेंस सक्रिय हो गया है। दस्तावेज लेकर जांच शुरू कर दी है। परिवार को आश्वासन दिया गया है। शहर के दरियाबाद इलाके में रहने वाले जिया पंजतन के घर एलआईयू की दो टीमें बुधवार को पहुंचीं। साथ ही स्टेट इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने संपर्क कर पूरा मामला जाना। एलआईयू ने पूरे केस की रिपोर्ट तैयार कर डीएम को दी है। अब इस मामले में डीएम के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी है। गुरुवार को जिया की बहन कनीज पंजतन और माता–पिता डीएम से मिलने जाएंगे।

एंबेसी अफसरों ने कहा– जिया को म्यांमार ले जाया गया है

उधर, मामले का संज्ञान लेते हुए थाईलैंड स्थित इंडियन एंबेसी से जिया की बहन के पास कॉल आई। एंबेसी के अधिकारियों ने ईमेल से दी गई सूचनाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद एंबेसी अधिकारियों ने बताया– अब तक की जांच से यह जाना जा सका है कि जिया को म्यांमार ले जाया गया है। जिया की बहन कनीज का कहना है कि एंबेसी वालों ने उन्हें म्यांमार एंबेसी से संपर्क करने को कहा है। साथ ही एंबेसी का नंबर भी मुहैया कराया है। हालांकि जिया के घरवालों का संपर्क अब तक म्यांमार में नहीं हो सका है।

आइए आपको बताते हैं क्या है किडनैपिंग का पूरा मामला : प्रयागराज के अतरसुइया थाना क्षेत्र के दरियाबाद के जिया पंजतन को थाईलैंड में बंधक बनाया गया है। घरवालों का कहना है कि 9 दिनों से बेटे से कोई बात नहीं हुई है। परिवार ने बताया– 22 जुलाई को युवक के फोन से 22 लाख रुपए की डिमांड की गई। यह रुपए डॉलर में ऑनलाइन ट्रांसफर करने के लिए कहा है। अब युवक का फोन बंद आ रहा है। युवक के पिता थाने में शिकायत करने पहुंचे तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया। परिवार ने विदेश मंत्रालय और पीएमओ को ई–मेल के जरिए बेटे को छुड़ाने के लिए प्रार्थना पत्र भेजा है। बंधक बनाए गए जिया पंजतन यूपी पुलिस से रिटायर हेड कॉन्स्टेबल आले पंजतन का बेटा है।

तीन साल से दुबई में कर रहा था काम

आले पंजतन रिटायरमेंट के बाद अपनी पत्नी के साथ गांव में रहते हैं। उनके दो बेटे बख्शीश पंजतन और जिया पंजतन और एक बेटी कनीज है। जिया तीन साल से दुबई में एक बैंक में काम कर रहा था। बहन कनीज ने कहा– मेरा भाई दुबई में काम कर रहा था। 9 जुलाई को उसने मुझे फोन कर बताया कि थाईलैंड के बैंकाक स्थित एक चाइनीज कंपनी से उसे 80 हजार रुपए प्रतिमाह सैलरी का ऑफर मिला है। इसके बाद 10 जुलाई को वह दुबई से हैदराबाद एयरपोर्ट पहुंचा। यहां से 11 जुलाई को बैंकाक गया। 13 जुलाई को फोन पर भाई से बात हुई। उसने बताया कि कंपनी के लोग उसे एक होटल में लेकर गए हैं। 13 जुलाई के बाद से हमारा उसके फोन से कोई संपर्क नहीं हो पाया।

23 जुलाई तक का टाइम दिया, कहा– पैसे ट्रांसफर हो जाने चाहिए

कनीज ने कहा– एक सप्ताह से हम लोग परेशान थे। 22 जुलाई को मेरे भाई ने मुझे वॉट्सऐप पर कॉल किया। भाई ने कहा– मैं यहां फंस गया हूं। इन लोगों ने मुझे बंधक बना लिया है। ये लोग मुझसे 22 लाख रुपए डॉलर में मांग रहे हैं। मेरी तरह 5 लड़के यहां बंधक बने हैं। 23 जुलाई तक का समय दिया है।

23 जुलाई को फिर आई कॉल

जिया के घर वालों को 23 जुलाई को दिन में भी एक कॉल आई है। इसमें एक विदेशी महिला उनसे कहती है– एक लाख रुपए इंडियन मनी का इंतजाम जल्द से जल्द कर दो। तब मैं आपके बेटे को इंडिया भिजवाने में मदद कर सकती हूं। वह इस समय सुपरवाइजर के अंडर में है। उससे बात नहीं हो सकती है। यह कंपनी की पॉलिसी है कि पैसे देने ही होंगे। वरना कुछ भी गलत हो सकता है। यह पैसे एक घंटे के अंदर अरेंज करो और मुझे बताओ।

थाने में नहीं लिखी गई एफआईआर

बहन ने कहा– मेरी विदेश मंत्रालय और केंद्रीय मंत्रालय से अपील है कि मेरे भाई को वापस दिला दें। हम बहुत परेशान हैं। मेरे पिता अतरसुइया थाने में गए थे। वहां पुलिस ने उनसे कहा कि हम इस मामले पर कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं हैं। ऑनलाइन एफआईआर और सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने का सुझाव दिया। हम क्या करें कुछ समझ नहीं आ रहा है। हमने विदेश मंत्रालय और पीएमओ को ई–मेल के जरिए अपना प्रार्थना पत्र भेजा है। बड़े भाई बक्शीश दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। मेरे भाई के साथ एक लड़का और गया था। उसका नाम आरिफ है। उसके भाई ने भी बताया कि 22 लाख रुपए मांगे गए हैं। अन्य लोगों को हम नहीं जानते हैं। मुझे मेरा भाई वापस दिला दीजिए। सरकार और प्रशासन से यही गुहार लगाते हैं।

एसीपी बोले– उचित मदद करेंगे : इस संबंध में एसीपी पुष्कर वर्मा का कहना है कि उन्हें आज जानकारी हुई है। परिवार वालों से बातचीत कर जो भी उचित होगा किया जाएगा। मामला विदेश से जुड़ा है, इसलिए आला अफसरों से बात कर जो भी लिखापढ़ी होगी, वो की जाएगी। ताकि आगे सूचना भेजी जा सके।

प्रयागराज में प्रिंसिपल की पिटाई मामले में धरना–प्रदर्शन

दो नामजद सहित चार अज्ञात पर मुकदमा, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

मेजा। प्रयागराज के मेजा में मांडा से लगातार दूसरे दिन आज भी आरोपियों के खिलाफ थाना परिसर में धरना देकर दर्जनों अध्यापकों ने आक्रोश जताते हुए मांडा इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह से कार्यवाही करने की मांग की है। बता दें कि प्राथमिक विद्यालय कंदवा में घुसकर बीते बुधवार सुबह 6–7 लोगों ने इंचार्ज प्रधानाध्यापक से अभद्रता करते हुए मारपीट की। अन्य अध्यापकों ने बीच–बचाव किया। इस बीच प्रधानाध्यापक ने अपने कक्ष में बंद होकर जान बचाई। प्राथमिक विद्यालय कंदवा के इंचार्ज प्रधानाध्यापक बैजनाथ ने कई अध्यापकों के साथ थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया कि वे बीते दिन विद्यालय में पठन पाठन में लगे थे। उसी समय कंदवा गांव के तीन ज्ञात और चार अज्ञात आरोपी बाइक से विद्यालय में आए और प्रधानाध्यापक को अपशब्द कहते हुए कालर पकड़कर पीटने लगे। अन्य शिक्षक जब बीच–बचाव के लिए पहुंचे, तब प्रधानाध्यापक ने किसी तरह अपने कक्ष में घुसकर अंदर से दरवाजा बंद कर अपनी जान बचाई। लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नही किया। इससे आक्रोशित शिक्षकों ने एक बार फिर आज थाने का घेराव कर डेढ़ घंटे धरना प्रदर्शन किया। साथ ही लापरवाह पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। शिक्षकों ने बताया कि एक महीने पहले गांव के एक छात्र का हाथ दरवाजे से दब गया था, उस समय भी इन्हीं लोगों ने प्रधानाध्यापक के साथ अभद्रता की थी।

संक्षिप्त

रुपया शुरुआती कारोबार में अपने सर्वकालिक निम्न स्तर 83.72 प्रति डॉलर पर

विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की भारी निकासी के बीच रुपया बृहस्पतिवार को कमजोर रुख के साथ खुला और 83.72 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू मुद्रा में गिरावट भारतीय शेयर बाजारों में भारी गिरावट के बाद आई है। सरकार के पूंजीगत लाभ पर कर की दर बढ़ाने के फैसले के बाद से घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। वह एक पैसे की गिरावट के साथ अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.72 प्रति डॉलर पर खुला था। रुपया बुधवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 83.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.21 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयर वाला बीएसई सेंसेक्स 425.14 अंक यानी 0.53 प्रतिशत गिरकर 79,723.74 अंक और एनएसई निफ्टी 120.65 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,292.85 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बुधवार को लिवाल रहे और शुद्ध रूप से 5,130.90 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

निवेश प्रस्तावों की मंजूरी के लिए सख्त की जाएगी समयसीमा, इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में आएगी तेजी

नई दिल्ली। सरकार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए सख्त समयसीमा तय करेगी। इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में तेजी आएगी। डीपीआईआईटी सचिव ने कहा, इन मंजूरियों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) है। फिर भी इसमें देरी हो रही है क्योंकि एसओपी का पालन नहीं किया जा रहा है। सचिव ने कहा, मंजूरी व अनुमोदन की प्रक्रिया को छोटा करने का विचार है। विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड को खत्म करने के बाद एफडीआई नीति और फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) विनियमों के तहत विदेशी निवेश के लिए मंजूरी देने का कार्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों को सौंप दिया गया है। इन्हें 60 दिन के भीतर प्रस्तावों पर फैसला लेना होता है।

इसलिए, नियम सरल करना जरूरी

यह घोषणा इस लिहाज से अहम है क्योंकि हाल में देश में आने वाले एफडीआई में गिरावट दर्ज की गई है। सेवाओं, कंप्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, वाहन और दवा जैसे क्षेत्रों में कम निवेश के कारण 2023–24 में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 3.49 फीसदी घटकर 44.42 अरब डॉलर रह गया है। कुल एफडीआई भी 2022–23 के 71.35 अरब डॉलर से एक फीसदी घटकर 2023–24 में 70.95 अरब डॉलर रह गया।

इंडेक्सेशन : पुरानी संपत्तियां बेचने पर नहीं मिलेगा महंगाई का लाभ, देना होगा ज्यादा टैक्स

सरकार ने 2024–25 के बजट में अचल संपत्तियों पर मिलने वाले इंडेक्सेशन लाभ को हटा दिया है। इसकी भरपाई के लिए लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) कर की दर को 20 फीसदी से घटाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले से आवासीय संपत्ति बेचने पर अब एलटीसीजी में इंडेक्सेशन यानी महंगाई को समायोजित करने का लाभ नहीं

मिलेगा। आसान शब्दों में इसका मतलब है कि पुरानी अचल संपत्तियां बेचने पर लोगों को महंगाई समायोजन का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही, उन्हें अधिक टैक्स का भुगतान करना पड़ेगा। बजट में लाए गए बदलावों के मुताबिक, सरकार ने 2001 से पहले खरीदी गई या विरासत में मिली संपत्तियों पर करदाताओं के लिए इंडेक्सेशन लाभ बरकरार रखा है। कर की दर में बदलाव 23 जुलाई, 2024 से लागू हो गए हैं।

अधिक करदाताओं को होगी बचत : आयकर विभाग

आयकर विभाग ने कहा, एलटीसीजी की दर में कटौती से अधिकतर करदाताओं को पर्याप्त कर बचत होगी। विभाग ने सोशल मीडिया मंच लिखा, रियल एस्टेट में नॉमिनल रिटर्न सामान्य तौर पर सालाना 12–16 फीसदी के आसपास है, जो महंगाई से बहुत अधिक है। वहीं, महंगाई के लिए इंडेक्सेशन करीब चार से पांच फीसदी है। इंडेक्सेशन उस अवधि पर निर्भर करता है कि संपत्ति को कितने समय के लिए अपने पास रखा गया है। अचल संपत्ति की अवधि के आधार पर लाभों की तुलना करते हुए विभाग ने कहा, इंडेक्सेशन के बिना नई कर दर अधिकतर मामलों में लाभकारी है।

क्या था इंडेक्सेशन लाभ

यह ऐसा नियम था, जो महंगाई के हिसाब से अचल संपत्ति की कीमतों को समायोजित करता था। इसे समझने के लिए पहले कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स (सीआईआई) को समझना जरूरी है। सीआईआई एक ऐसा नंबर होता है, जो हर साल बदलता है। अचल संपत्ति खरीदने वाले व्यक्ति को खरीद वर्ष के हिसाब से एक नंबर मिलता था। इसी नंबर के हिसाब से महंगाई और लागत को संतुलित कर एलटीसीजी टैक्स लगाया जाता है। सीआईआई नंबर हर वर्ष के हिसाब से बढ़ता रहता है।

आईपीएल फ्रेंचाइजियों की बड़ी मांग, 5-6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की मांगी अनुमति

एक फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तीन साल के बजाय हर पांच साल में मेगा ऑक्शन होने के एक से ज्यादा फायदे हैं। मेगा ऑक्शन के बीच लंबा अंतराल टीमों को युवा खिलाड़ियों, विशेष रुपय से अनकैप्ड भारतीयों को विकसित करने में मदद करेगा।

आईपीएल 2025 से पहले मेगा ऑक्शन होना है। इसे लेकर अगले हफ्ते भारतीय क्रिकेट बोर्ड के साथ फ्रेंचाइजियों की बैठक होने वाली है। इस बैठक से पहले कुछ अहम सूझाव फ्रेंचाइजियों ने 2025 की नीलामी से पहले प्लेयर रिटेंशन पर फीडबैक सेशन के दौरान आईपीएल अधिकारियों के साथ शेयर किए हैं। इनकी मांग है कि पांच साल में केवल एक बार मेगा ऑक्शन हो। चार से 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दें। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को आठ राइट–टू–मैच विकल्प दें। ESPNCricinfo के अनुसार एक फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तीन साल के बजाय हर पांच साल में मेगा ऑक्शन होने के एक से ज्यादा फायदे हैं। मेगा ऑक्शन के बीच लंबा अंतराल टीमों को युवा खिलाड़ियों, विशेष रुपय से अनकैप्ड भारतीयों को विकसित करने में मदद करेगा। 2008 में पहले आईपीएल सीजन से ही मौजूद फ्रेंचाइजियों ने इस क्षेत्र में बहुत ज्यादा निवेश किया है। जमीनी स्तर पर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजने और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के लिए एकेडमी बनाई गई हैं। हर पांच साल में एक मेगा ऑक्शन टीमों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जबकि तीन साल के साइकल में एक खिलाड़ी को जल्दी खोने का जोखिम होता है, जिसे उन्होंने प्रतिद्वंदी फ्रेंचाइजी के लिए तैयार किया है। पिछले दशक में दो बार मेगा ऑक्शन के बीच चार साल का अंतर रहा। 2014 के बाद 2018 में ऑक्शन हुआ था। तभी चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स दो साल के निलंबन के बाद लौटी थीं। कोविड–19 महामारी ने 2021 की मेगा ऑक्शन को एक साल के लिए टाल दिया। दोनों मौकों पर फ्रेंचाइजियों ने अपने खिलाड़ियों के अनुबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया।

अर्शदीप सिंह की खुल सकती है किस्मत, टेस्ट टीम में शामिल करने पर हो रहा है विचार

अर्शदीप भारत के लिए लगातार व्हाइट बॉल क्रिकेट खेल रहे हैं, अर्शदीप टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे, उन्होंने कुल 17 विकेट चटकाए थे। अब बाएं हाथ के पेसर को टेस्ट क्रिकेट में खिलाने पर विचार किया जा रहा है।

अर्शदीप सिंह टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत के लिए बहुत अहम साबित हुए थे। अर्शदीप भारत के लिए लगातार व्हाइट बॉल क्रिकेट खेल रहे हैं, अर्शदीप टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे, उन्होंने कुल 17 विकेट चटकाए थे। अब बाएं हाथ के पेसर को टेस्ट क्रिकेट में खिलाने पर विचार किया जा रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अर्शदीप को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के जरिए भारत की टेस्ट टीम में लाने के बारे में सोचा जा रहा है। टेस्ट क्रिकेट में जगह बनाने के लिए अर्शदीप से दिलीप ट्रॉफी के कुछ मैच खेलने के लिए कहा गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया में एक सोर्स के हवाले बताया गया, अर्शदीप ने भारत के लिए व्हाइट बॉल क्रिकेट में गेंद को प्रभावशाली तरीके से मूव किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चयन के लिए उनके चांस बढ़ाने के लिए उन्हें 5 सितंबर से शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के कुछ घरेलू रेड–बॉल गेम खेलने के लिए कहा जा सकता है। बता दें कि, अर्शदीप ने भारत के लिए 2022 का टी20 वर्ल्ड कप भी खेला था। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 के टी20 वर्ल्ड कप में भी अर्शदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 मैचों में 15.60 की औसत से 10 विकेट लिए थे।

भारत के लिए अब तक ऐसा रहा करियर

अर्शदीप भारत के लिए मुख्यतरू टी20 क्रिकेट खेलते हैं। हालांकि, अब उन्हें वनडे क्रिकेट में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए अर्शदीप को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए भी देखा जा रहा है।

श्रीलंका को भारतीय खिलाड़ियों के संन्यास का फायदा उठाना चाहिए : जयसूर्या

पाल्लेकल। श्रीलंका के अंतरिम मुख्य कोच सनथ जयसूर्या ने बुधवार को खुलासा किया कि आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस निदेशक जुबिन भरूचा ने भारत के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला की तैयारी में उनके बल्लेबाजों की मदद की है और उन्हें उम्मीद है कि टीम रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों के संन्यास का फायदा उठाएगी। रोहित, कोहली और ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने पिछले महीने भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लिया था। श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला 27 जुलाई से यहां शुरू होगी। जयसूर्या ने खुलासा किया कि श्रीलंका के कुछ खिलाड़ियों के लंका प्रीमियर (एलपीएल) लीग से जुड़ा होने के बावजूद भरूचा के साथ छह दिन के शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा, ''हमने एलपीएल के तुरंत बाद सत्र शुरू किया। अधिकतर खिलाड़ी एलपीएल में खेल रहे थे इसलिए वे क्रिकेट में व्यस्त थे और हम चाहते थे कि वे अधिक से अधिक क्रिकेट खेलें।'' जयसूर्या ने कहा, ''हम राजस्थान रॉयल्स से जुबिन को लाए और हमने लगभग छह दिन उनके साथ काम किया। एलपीएल में खेलने बाद अन्य क्रिकेटर भी उनके साथ जुड़े। मुझे उम्मीद है कि खिलाड़ियों ने सीख लिया है कि आप (प्रबंधन) अभ्यास और तकनीक के मामले में उनसे क्या चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''तैयारी अच्छी थी और टी20 शुरू होने से पहले कैंडी में हमारे पास दो दिन और हैं।'' जयसूर्या ने कहा कि भरूचा के साथ सत्र काफी गहन रहे और खिलाड़ियों ने उनसे काफी कुछ सीखा। उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के लिए नई तकनीक, नए दृष्टिकोण और नए शॉट मारना सीखना महत्वपूर्ण है ताकि वे प्रभावी बन सकें।'' भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव के रूप में नया कप्तान भी मिला है और जयसूर्या ने अपनी टीम से इस अवसर का पूरा लाभ उठाने को कहा। 'एसोसिएटेड प्रेस' ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयसूर्या के हवाले से कहा, ''रोहित शर्मा और विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। उनकी प्रतिभा और उन्होंने जिस तरह का क्रिकेट खेला है, उसे देखते हुए हम सभी जानते हैं कि वे और जडेजा किस स्थान पर हैं।'' उन्होंने कहा, ''उनकी गैरमौजूदगी भारतीय टीम के लिए नुकसान है और हमें इसका अधिकतम फायदा उठाना होगा।

सोने पर आयात शुल्क घटने से तस्करी कम होगी, पर ग्राहकों को अभी फायदा नहीं

मुंबई। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सोने, चांदी और प्लैटिनम पर आयात शुल्क में कटौती की घोषणा की है। सोने पर कुल शुल्क जो पहले से 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया है। प्लैटिनम के लिए इसे मौजूदा 15.4 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं सोने और चांदी के लिए 6 प्रतिशत शुल्क में 5 प्रतिशत की मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और 1 प्रतिशत का कृषि और विकास उपकर (एआईडीसी) शामिल है, जो पहले क्रमश रू 10 प्रतिशत और 5 प्रतिशत था। प्लैटिनम के लिए बीसीडी को 10 और 5.4 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत और एआईडीसी को 1.4 प्रतिशत कर दिया गया है। ज्वेलरी उद्योग का कहना है कि शुल्क घटने से उद्योग को लाभ होगा इसके साथ ही सरकार को भी फायदा होगा। इससे तस्करी पर लगाम लगेगी। वहीं दूसरी घरेलू निवेशक भी सोने में निवेश को बढ़ाएगे। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का कहना है कि मुनाफा कम होगा तो सोने की तस्करी भी कम होगी। इससे कारोबार पर सकरात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सोने की तस्करी होगी कम

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के भारत के क्षेत्रिय सीईओ सचिन जैन कहते हैं, सोने पर आयात शुल्क घटाने से उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे सोने की तस्करी कम होगी जिससे उद्योग के लिए समान अवसर तैयार होंगे। स्थानीय स्तर पर भी सोने की कीमतों में सुधार होगा। जिससे रिटेल सोने की मांग को बढ़ावा मिलेगा। जानकारों का कहना है तस्करी से लाया गया सोना नियमपूर्वक

लाया गया सोने में 11 लाख रुपये प्रतिकिलो का अंतर होता था। अब आयात शुल्क घटने के बाद यह अंतर दो से तीन प्रतिशत ही रह जाएगा। इसलिए इसमें मुनाफा कम होगा और तस्करी पर रोक लगेगी। अभी तक सोने और चांदी पर 2.5 प्रतिशत सेस मिलाकर 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगता था, जिसमें 3 प्रतिशत जीएसटी देना होता है।

आम लोगों को फिलहाल नहीं मिलेगा फायदा

मुंबई ज्वैलरी एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन बताते हैं कि आयात शुल्क घटने का फायदा उद्योग को मिलेगा, लेकिन सोने की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने के भाव में तेजी आने की वजह से इसका लाभ आम खरीदारों को नहीं मिल पा रहा है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव 2416 डॉलर पर है, जो आनेवाले दिनो में 2500 डॉलर होने का अनुमान बाजार लगा रहा है। भू राजनीतिक संकट की वजह से सोने की कीमते बढ़ रही हैं। बावजूद इसके सोने की खरीदारी लोग कर रहे हैं। अगस्त से त्योहारी मौसम शुरू हो रहा है और अक्टूबर के बाद से शादियों का मौसम शुरू हो रहा है। इसलिए बाजार में खरीदारी दिखाई दे रही है। मुंबई में मंगलवार को 24 कैरेट सोने की कीमत 7,180 रुपये प्रति दस ग्राम थी।

मध्यम उद्यमों को लाभ

ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ्य फेडरेशन के नेशनल सेक्रेटरी नितिन केडिया बताते हैं कि आयात शुल्क घटने घरेलू ज्वेलरी मैन्यूफैक्चरर्स खासकर छोटे और मध्यम उद्यमों को लाभ होगा। इससे और चांदी की कीमतों में कमी आएगी और लोगों की खरीदारी इस ओर बढ़ेगी, इससे ज्वेलर्स की वर्किंग कैपिटल में बढोत्तरी होगी जिसका फायदा इन छोटे कारोबारियों को होगा। उनका कहना है कि हमें उम्मीद है कि देश में घरेलू निवेश और बचत में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

पुराने स्टॉक की वैल्यू होगी कम

इंडियन बुलियन एंड एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता बताते है कि शुल्क घटने से सोने में प्रति दस ग्राम लगभग 5900 रुपये और चांदी में प्रित किलोग्राम 7600 रुपये तक की कमी आएगी। लेकिन जिनके पास पुराना सोने का स्टॉक है जिसे 15 प्रतिशत का शुल्क देकर खरीदा गया है उसकी वैल्यू कम हो जाएगी। उदाहरण के लिए एक किलो पुराना सोना है तो उस पर छह लाख रुपये कम हो जाएगा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार भारतीय कैलेंडर वर्ष 2023 में 576 टन आभूषण और 185 टन बार और सिक्कों की खरीदी की गई थी। जबकि बढ़ती मांग की वजह से सोने का आयात बढ़ सकता है। भारत के आयात बास्केट में सोना तीसरा सबसे बड़ा घटक है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार भारत प्रति वर्ष औसतन 36 बिलियन डॉलर का सोना आयात करता है, जो कुल आयात का लगभग 8 प्रतिशत है।

स्पेन की जीत से शुरुआत, अर्जेंटीना पहला मैच हारा

यूरोपीय चौंपियन स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2–1 से हराकर ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की लेकिन लियोनेल मेस्सी के बिना खेल रहे विश्व चौंपियन अर्जेंटीना को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। उज़्बेकिस्तान ने स्पेन को कड़ी चुनौती दी और इसलिए दर्शकों का उन्हें भरपूर समर्थन भी मिला। पेरिस ओलंपिक खेलों का पहला गोल स्पेन के राइट बैक मार्क पबिल ने 29वें मिनट में किया। एल्डोर शोमुरोदोव ने पहले हाफ के आखिर में पेनल्टी के ज़रिए अपना 41वां अंतरराष्ट्रीय गोल करके बराबरी की, जिसका उज्बेकिस्तान के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया। स्पेन की तरफ से सर्जियो गोमेज ने 62वें मिनट में निर्णायक गोल किया। इन खेलों में मेस्सी के बिना खेल रहे कोपा अमेरिका चौंपियन अर्जेंटीना को अपने पहले मैच में मोरक्को से 2–1 से हार झेलनी पड़ी। मोरक्को की तरफ से दोनों गोल स्ट्राइकर सौफ़ियाने रहीमी ने किए। मोरक्को की जीत जब सुनिश्चित लग रही थी तब अर्जेंटीना की तरफ से दूसरे हाथ के इंजरी टाइम मे क्रिस्टियन मदीना ने बराबरी का गोल कर दिया। मोरक्को के प्रशंसक मैदान पर उतर आए जिससे खेल खत्म होने से कुछ समय पहले मैच स्थगित कर दिया गया। इसके बाद 2 घंटे तक खेल रुका रहा और जब खेल शुरू हुआ तो उससे कुछ देर पहले वीडियो प्रणाली से अर्जेंटीना का गोल ऑफ साइड होने के कारण अमान्य करार दे दिया गया। अन्य मैचों में इजरायल ने कड़ी सुरक्षा के बीच खेले गए मैच में माली को 1–1 से बराबरी पर रोका जबकि मेजबान फ्रांस ने अमेरिका को 3–1 से हराया।

सम्पादकीय.....

रोजगारोन्मुखी बजट

मोदी सरकार की तीसरी पारी के पहले आम बजट में रोजगार के लक्ष्यों को प्राथमिकता दी गई है। दरअसल, हाल ही के लोकसभा चुनावों में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन के मूल में रोजगार संकट बड़ी वजह बताया गया। तभी तीसरी पारी के बजट का मूलमंत्र रोजगार सृजन रहा। कहीं न कहीं युवा मतदाताओं को संतुष्ट करने हेतु बजट में नौकरियों व कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई है। इसी क्रम में विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन हेतु योजना लाई गई। महत्वपूर्ण बात यह कि अगले पांच सालों में करीब एक करोड़ युवाओं के कौशल विकास हेतु शीर्ष पांच सौ कंपनियों में इंटर्नशिप के मौके मुहैया कराने की घोषणा की गई। वहीं दूसरी ओर औपचारिक क्षेत्र के कार्यबल का हिस्सा बनने पर युवाओं को एकमुश्त राशि का योगदान भविष्य निधि में किया जाएगा। मोदी सरकार की तीसरी पारी में रोजगार को प्राथमिकता का पता इस बात से चलता है कि पांच योजनाओं के जरिये रोजगार व कौशल विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिये दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। निस्संदेह, कौशल विकास को प्राथमिकता की योजना एक सार्थक कदम है, लेकिन यह सरकार की प्रतिबद्धता व उद्योगों के सहयोग पर निर्भर करेगा। नई नौकरियों की सृजन क्षमता रखने वाले सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यमों पर बजट में विशेष ध्यान दिया गया। यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की सोच के साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और नई नौकरियां पैदा करने में सक्षम होगा। कहीं न कहीं अपने मूल मध्यमवर्गीय वोट बैंक के दृष्टिगत वेतनभोगी कर्मियों को कर में राहत व सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन में मानक आयकर कटौती की सीमा घटाकर संबल दिया गया। इस कदम से चार करोड़ कर्मियों व पेंशनभोगियों का फायदा होने की बात कही जा रही है। वहीं गठबंधन धर्म का पालन करते हुए बिहार व आंध्रप्रदेश के सत्तारूढ़ दलों की आकांक्षा के अनुरूप विशेष वित्तीय पैकेजों की घोषणा अपरिहार्य थी। बहरहाल, राजग सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास लिये नया रोडमैप इस बजट के माध्यम से देश के सामने रखा है। सरकार की दूसरी पारी में लंबे चले किसान आंदोलन के सबक और नये आंदोलन की सुगबुगाहट के बीच में केंद्र ने किसान व कृषि को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। बजट के जरिये किसानों की आय में स्थिरता, उत्पादकता व आर्थिक विकास के लक्ष्य को हासिल करने पर बल दिया है। खासकर जलवायु परिर्वतन के संकट से जूझती खेती को कवच प्रदान करने की कोशिश है। दो साल के भीतर एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिये तैयार करने की योजना है। करीब दस हजार जैव निवेश संसाधन केंद्रों के जरिये प्राकृतिक खेती के लक्ष्यों को पाया जाएगा। हाल के दिनों में प्रतिकूल मौसम व भंडारण केंद्रों के अभाव में उपभोक्ताओं को महंगाई व किसान को नुकसान का सामना करना पड़ा है। इस मकसद से सब्जी उत्पादन बढ़ाने और आपूर्ति शृंखला को सुव्यवस्थित करने हेतु बजट में किसान उत्पादक संगठनों,सहकारी समितियों और स्टार्ट–अप को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। ये संस्थाएं सब्जियों के संग्रहण, भंडारण और विपणन में सार्थक भूमिका निभाते हुए किसानों को बेहतर दाम दिलाने का प्रयास करेंगी। साथ ही फसलों को होने वाला नुकसान कम किया जाएगा। इसके अलावा उन फसलों व बागवानी की किस्मों को बढ़ावा देने का संकल्प है जो जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव को निष्प्रभावी बनाकर स्थिर कृषि उत्पादन सुनिश्चित कर सकें। साथ ही तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के मकसद से सरसों, मूंगफली, तिल, सोयाबीन व सूरजमुखी की खेती को बढ़ावा देने के उपाय बजट में प्रस्तुत किए गए हैं। जिससे तिलहन उत्पादक किसानों की आय बढ़े तथा आयातित खाद्य तेलों पर देश की निर्भरता को कम किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिये किसानों की भूमि, ऋण व वित्तीय सेवाओं को चुस्त–दुरुस्त बनाने का प्रयास होगा। इसके बावजूद सरकार को इन योजनाओं के क्रियान्वयन की बाधाओं को प्राथमिकताओं के आधार पर दूर करना होगा। बहरहाल, इस बजट से एक बात तो तय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं में बदलाव आया है। वहीं पूंजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय घाटा कम करने का प्रयास सराहनीय है।

आम जनता के लिए निराशा का बजट

एजेंसी

इस बजट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनैतिक मजबूरियों और प्राथमिकताओं में बदलाव को साफ तौर पर देखा जा सकता है। आंध्रप्रदेश की तेलुगूदेसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड इन दो के सहारे एनडीए सरकार केंद्र की सत्ता पर बनी हुई है।

एनडीए सरकार ने 23 जुलाई मंगलवार को अपना आम बजट पेश किया। लोकतांत्रिक सरकार के आम बजट में सर्वोच्च प्राथमिकता आम जनता को दी जानी चाहिए। समाज के हाशिए के वर्गों को मुख्यधारा में दौड़ने लायक सक्षम किया जा सके, ऐसे प्रावधान बजट में होने चाहिए। लेकिन यह दुखद है कि अब बजट जैसी बेहद जरूरी चीज भी सत्ता के हित साधन का जरिया बन गया है। यही बात इस बजट में भी नजर आई। इस बजट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनैतिक मजबूरियों और प्राथमिकताओं में बदलाव को साफ तौर पर देखा जा सकता है। आंध्रप्रदेश की तेलुगूदेसम पार्टी और बिहार की जनता दल यूनाइटेड इन दो के सहारे एनडीए सरकार केंद्र की सत्ता पर बनी हुई है। इन दोनों ही दलों ने सरकार बनने के साथ यह उम्मीद बार–बार जाहिर की कि सरकार उन पर विशेष ध्यान देगी। आंध्र प्रदेश और बिहार दोनों ही राज्य लंबे वक्त से विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं। 2018 में चंद्रबाबू नायडू एनडीए से इसी मांग के पूरे न होने को लेकर ही अलग भी हुए थे। वहीं नीतीश कुमार भी अब तक इस उम्मीद में थे कि श्री मोदी उनकी इस मांग को पूरा करेंगे। लेकिन 22 जुलाई को संसद में बाकायदा इस बात से इंकार कर दिया गया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता। यही स्थिति आंध्र प्रदेश की भी है। इन दोनों नेताओं ने बजट से पहले जिस विशेष आर्थिक पैकेज की मांग अपने–अपने राज्यों के लिए की थी, वह भी इन्हें नहीं मिला। मगर इसके बावजूद पूरे बजट में सबसे अधिक चर्चा इसी बात की हो रही है कि निर्मला सीतारमण ने सबसे अधिक ख्याल आंध्र प्रदेश और बिहार का ही रखा है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने इस बजट को कुर्सी बचाओ बजट कहा है, क्योंकि आंध्र प्रदेश की राजधानी के विकास के लिए 15 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है, इसी तरह बिहार के लिए एयरपोर्ट्स, सड़कों और बिजली के प्रोजेक्ट लगाने के लिए बजट में 26,000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। खास बात यह है कि इन परियोजनाओं के लिए बहुपक्षीय विकास एजेंसियों के जरिए काम की बात की गई है। फिलहाल एनडीए सरकार के ये दोनों घटक दल बजट के इन प्रावधानों पर खुशी जाहिर कर रहे हैं, जिससे श्री मोदी राहत महसूस कर सकते हैं। मगर इस बजट से भाजपा की मजबूरी जिस तरह सामने आई है, वह उसकी मजबूती के दावों को खारिज करती दिख रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जन खड़गे ने बिलकुल सही सवाल उठाया है कि जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पहले ही दावा किया था कि 100 दिनों की कार्य योजना हमारे पास पहले से ही है। कार्य योजना दो महीने पहले थी तो कम से कम बजट में ही बता देते। दरअसल इस बजट में न किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की कोई चर्चा है, न महंगाई कम करने का कोई इरादा दिखा है। आदिवासी, पिछड़े वर्ग, दलित, किसान, मजदूर सभी की एक तरह से उपेक्षा दिखाई दी है। 2014 में नरेन्द्र मोदी ने युवाओं से वादा किया था कि हर साल दो करोड़ रोजगार दिए जाएंगे और अब आलम यह है कि 2024 के बजट में मोदी सरकार ने कहा है कि वह 5 सौ बड़ी कंपनियों में 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप करने के लिए अवसर प्रदान करेगी। इसमें 5000 रुपये हर महीने अलाउंस दिया जाएगा साथ में 6000 रुपये का अतिरिक्त अलाउंस भी दिया जाएगा। कंपनियों को सीएसआर के तहत स्किल करने पर खर्च करना होगा। दो करोड़ नौकरियों से बात एक करोड़ इंटर्नशिप पर आ जाए, तो समझना कठिन नहीं है कि सरकार की कथनी और करनी में कितना अंतर है। हालांकि खबरों में सरकार के ऐसे प्रावधान को बजट में युवाओं की बल्ले–बल्ले जैसी सोच के साथ पेश किया जा रहा है। मोदी सरकार ने रेल बजट पहले ही समाप्त कर दिया था, अब ऐसा लगता है कि बजट से रेलवे पर किए जाने वाले खर्च, यात्रियों की सुविधा, रेलवे के विस्तार जैसी अहम बातों को भी गायब कर दिया गया है। बुलेट ट्रेन का जिक्र तो खैर अब होता ही नहीं, हाल ही में जो गंभीर रेल दुर्घटनाएं हुई हैं, उन का जिक्र करते हुए बजट के जरिए मामूली समझे जाने वाले यात्रियों को आश्वस्त किया जा सकता था कि सरकार को उनका भी ध्यान है। लेकिन यहां भी आम गरीब लोगों को निराशा ही हाथ लगी है। अबकी बार नरेन्द्र मोदी किसी नयी ट्रेन को हरी झंडी दिखाने जाएं तो याद रखें कि उनकी सरकार ने कैसे आम यात्रियों की उम्मीदों को लाल झंडी दिखा दी है। रेलवे के जरिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होता था, वह बात भी अब बजट से गायब है। बजट में आंध्रप्रदेश और बिहार का जिक्र तो खूब है, लेकिन बाकी राज्यों की उम्मीदों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। पर्यावरण को लेकर कोई चिंता बजट में नजर नहीं आई, जबकि हर साल बढ़ते प्रदूषण, पराली जलाने के कारण होने वाला धुआं, बाढ़ और सूखा, जंगलों की आग, पहाड़ों पर भूस्खलन ऐसी कई बातें हैं, जो आम भारतीयों के लिए जानलेवा होती जा रही हैं। बजट में पर्यटन के नाम पर सरकार ने फिर बिहार को ही महत्व दिया है। गया में विष्णुपद मंदिर और बोधगया में महाबोधि मंदिर को काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारे की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। राजगीर को हिंदुओं, बौद्धों और जैनियों के लिए महत्व को ध्यान में रखते हुए एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा शहरी विकास, ग्रामीण विकास, अवसरंचना, विनिर्माण आदि पर भी बातें तो हैं, लेकिन कोई बड़ी घोषणा नहीं की गई है। न ही अधोसंरचना में जो खामियां हैं, जिनके कारण जरा सी बारिश में शहरों में डूब की स्थिति बन जाती है, या दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता रहता है, उनके स्थायी समाधान की कोई कोशिश बजट में नहीं दिखी है।

दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण का सुझाव

डॉ. ज्ञान पाठक

आर्थिक सर्वेक्षण 2023–24 भारत की विकास कहानी की एक सुखद तस्वीर पेश करता है और अल्पकालिक संभावनाओं को अच्छा मानता है, लेकिन चिंता के कई क्षेत्रों को चिह्नित करने में विफल नहीं होता है। बेहतर दीर्घकालिक संभावनाओं के लिए यह स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देता है। इसने कृषि में व्यापक सुधार की तत्काल जरूरतों को रेखांकित किया–भारत के विकास पथ में अपनी केंद्रीयता के बावजूद, कृषि क्षेत्र को संरचनात्मक मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका भारत के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ता है,इसने क्षेत्र के सामने कई प्रमुख चुनौतियों की पहचान करते हुए कहा, जिसमें खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति का प्रबंधन करते हुए विकास को बनाये रखने की आवश्यकता, फसलों के मूल्य निर्धारण तंत्र में सुधार और भूमि विखंडन को संबोधित करना शामिल है। इसमें कहा गया है कि नीति निर्माताओं को किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने और खाद्य कीमतों को स्वीकार्य सीमा के भीतर रखने के बीच एक नाजुक संतुलन बनाना चाहिए। इस दोहरे उद्देश्य के लिए सावधानीपूर्वक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के श्रम बाजार संकेतकों में सुधार हुआ है, लेकिन यह चेतावनी देता है कि आर्थिक गतिविधि के कई क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जड़ें जम रही हैं और इसलिए सामूहिक कल्याण की दिशा में तकनीकी विकल्पों को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा। हालांकि, यह सरकार पर नहीं बल्कि नियोक्ताओं पर जिम्मेदारी डालता है कि वे प्रौद्योगिकी और श्रम के बीच संतुलन बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। इसमें कहा गया है कि कई विनियामक नियंत्रण, जैसे कि भूमि उपयोग, भवन संहिता, महिलाओं के रोजगार के लिए खुले क्षेत्रों और घंटों को प्रतिबंधित करना, रोजगार सृजन को रोकते हैं। सर्वेक्षण ने रुपये की अस्थिरता को नोट किया, लेकिन कहा कि यह सबसे कम अस्थिर मुद्राओं में से एक है, जो सांत्वना के अलावा और कुछ नहीं है। वित्त वर्ष 24 में, अमेरिकी डॉलर ने लगभग हर प्रमुख समकक्ष के मुकाबले बढ़त हासिल की। रुपया भी मूल्यह्रास दबाव में आया। इसके अलावा, दस्तावेज में जोर दिया गया है कि वित्त वर्ष 24 में इसने पिछले वर्षों की तुलना में सबसे कम अस्थिरता प्रदर्शित की। यह विश्व अर्थव्यवस्था पर चीन के वैश्विक प्रभाव का भी उल्लेख करता है, और कहता है कि दुनिया चीन को पूरी तरह से अनदेखा नहीं कर सकती, भले ही वह चीन के साथ–साथ एक और देश की ओर क्यों न बढ़ रही हो। अपने निष्कर्ष के समर्थन में सर्वेक्षण कहता है कि मेक्सिको, वियतनाम, ताइवान और कोरिया जैसे देश, जो चीन से अमेरिका के व्यापार मोड़ के प्रत्यक्ष लाभार्थी थे। जबकि इन देशों ने अमेरिका को निर्यात में अपना हिस्सा बढ़ाया, उन्होंने चीनी एफडीआई में भी वृद्धि दिखाई। दिए गए उदाहरण में भारत के श्विकसित भारतश की ओर बढ़ने के संबंध में कई छिपे हुए अर्थ हैं। सर्वेक्षण कहता है कि यह 1980 और 2015 के बीच चीन के आर्थिक उछाल से अलग होगा – और यह एक आसान रास्ता नहीं होगा। यह कारण गिनाता है कि क्यों? यह कहता है कि शीत युद्ध के अंत में भू–राजनीति काफी हद तक शांत थी, और पश्चिमी शक्तियों ने चीन का स्वागत किया और यहां तक कि इसके उदय और विश्व अर्थव्यवस्था में इसके एकीकरण को प्रोत्साहित किया। वैश्वीकरण अपने लंबे विस्तार के शिखर पर था, और जलवायु परिवर्तन और वैश्विक चेतावनी पर चिंताएं तब इतनी व्यापक या गंभीर नहीं थीं जितनी कि वे अब हैं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन की ओर इशारा करता है, जो सभी कौशल स्तरों – निम्न, अर्ध और उच्च – के श्रमिकों पर इसके प्रभाव के बारे में अनिश्चितता की एक बड़ी परत डालता है। ये आने वाले वर्षों और दशकों में भारत के लिए निरंतर उच्च विकास दर के लिए अवरोध और बाधाएं पैदा करेंगे। इन पर काबू पाने के लिए संघ और राज्य सरकारों और निजी क्षेत्र के बीच एक शानदार गठबंधन की आवश्यकता है। देश के कल्याणकारी अर्थशास्त्र के लिए, यह कहता है कि हम कल्याण के लिए एक सुधारित दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जो सशक्तिकरण, संतृप्ति दृष्टिकोण, आवश्यकताओं तक सार्वभौमिक पहुंच, दक्षता, लागत–प्रभावशीलता और निजीक्षेत्र और नागरिक समाज की भागीदारी बढ़ाने पर केंद्रित है। हालांकि, जहां तक उनके प्रदर्शन और इरादों का सवाल है, दावे बहस और प्रतिवाद योग्य हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत का बाहरी क्षेत्र मजबूत बना हुआ है, चल रही भू–राजनीतिक प्रतिकूलताओं के साथ–साथ चिपचिपी मुद्रास्फीति के बीच। भारत में मुद्रास्फीति को दोहरे मानक से निपटाया गया है। एक तरफ यह स्वीकार करता है कि पिछले दो वर्षों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति से खाद्य कीमतें प्रभावित हुई हैं, और इन घटनाक्रमों का शुद्ध प्रभाव वित्त वर्ष 23 और वित्त वर्ष 24 में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है। हालांकि, वित्त वर्ष 25 या उसके बाद की मुद्रास्फीति के संबंध में, यह सामान्य जलवायु स्थितियों और सामान्य आंतरिक और बाहरी कारकों पर अनुमान लगाता है। हालांकि, सर्वेक्षण यह भी स्वीकार करता है कि मध्यम से दीर्घकालिक मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण इसके परे के कारकों पर निर्भर करेगा जिनमें मूल्य निगरानी तंत्र और बाजार खुफिया को मजबूत करने के साथ–साथ दालों और खाद्य तेलों जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए केंद्रित प्रयासों की आवश्यकता होगी, परन्तु भारत उनके लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। इसमें कहा गया है कि दीर्घकालिक मूल्य स्थिरता प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। इसलिए मौसमी मूल्य वृद्धि को प्रबंधित करने के लिए फलों और सब्जियों के लिए आधुनिक भंडारण और प्रसंस्करण सुविधाओं के विकास में प्रगति का आकलन करना महत्वपूर्ण है। भारत की विकास कहानी की प्रशंसा करते हुए,सर्वेक्षण में कहा गया है कि महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है और इसका विस्तार हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में वास्तविक जीडीपी वित्त वर्ष 20 के स्तर से 20प्रतिशत अधिक थी, इसमें कहा गया है। इसने वित्त वर्ष 2025 में भी मजबूत वृद्धि जारी रहने की संभावना अच्छी बताई है, लेकिन वह भू–राजनीतिक, वित्तीय बाजार और जलवायु जोखिमों के अधीन है। इसमें आगे चेतावनी दी गई है कि 2024 में भू–राजनीतिक संघर्षों के बढ़ने से आपूर्ति में अव्यवस्था, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, मुद्रास्फीति के दबाव में वृद्धि और पूंजी प्रवाह के लिए संभावित नतीजों के साथ मौद्रिक नीति में ढील को रोकना पड़ सकता है। यह आरबीआई की मौद्रिक नीति के रुख को भी प्रभावित कर सकता है। सर्वेक्षण में भू–राजनीतिक रेखाओं के साथ बढ़ते विखंडन और संरक्षणवाद पर नये सिरे से जोर देने के बारे में भी चेतावनी दी गई है, जो भारत के बाहरी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले व्यापारिक विकास को विकृत कर सकता है। वैश्विक वित्तीय बाजारों ने नयी ऊंचाइयों को छुआ है तथा निवेशक वैश्विक आर्थिक विस्तार पर दांव लगा रहे हैं। हालांकि, ऊंचे वित्तीय बाजार मूल्यांकन में किसी भी सुधार का घरेलू वित्त विकास की संभावना पर असर पड़ सकता है।

गला घोंटने वाले का ही जब गला घुटने लगे...

डॉ. दीपक पाचपोर

पिछले लगभग एक दशक से देश का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने व्यक्तित्व में समाये कई–कई विरोधाभासों एवं विसंगतियों का अनेक अवसरों पर परिचय दिया है। मसलन, वे खुद को गरीब व ओबीसी का बतलाते रहे हैं परन्तु उनकी जीवन शैली ऐसी है जो अच्छे से अच्छे रईसों के ठाठ–बाट को भी लजा दे। वे संविधान की हिफाजत की बात करते हैं लेकिन राजतंत्र के प्रतीक सेंगोल को सीने से लगाये रखते हैं। भारत को श्लोकतंत्र की जननीश कहेंगे परन्तु उसे कुचलने का सबसे अधिक काम उन्हीं के शासन काल में होता है। सकारात्मकता की बात करेंगे लेकिन उनके भाषणों में हर वक्त बीते समय को लेकर और कुछ लोगों–संगठनों के प्रति घृणा की अभिव्यक्ति होती है। उनके कार्यों व नीतियों में भी इसी विरोधाभास का परिचय मिलता है। एक ओर वे भारत को दुनिया की एक बड़ी इकानॉमी बताएंगे वहीं वे 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने की योजना को चालू रखे हुए हैं। भारत को विश्वगुरु बतलाते हैं पर बातें ऐसी करते हैं कि अज्ञानता भी यह कहकर लज्जित हो जाये, कि श्बस कीजिये मोदी जी! मेरी भी एक सीमा है।श हरि अनंता, हरि कथा अनंता की भांति पीएम के अनेक किस्से हैं। बहुत पुराने नहीं हैं। ताजातरीन दृष्टांत इन सबसे ऊपर है। सोमवार को जब संसद का बजट सत्र प्रारम्भ हुआ तो उनकी नयी स्थापित की गयी परम्परा के अनुरूप श्री मोदी ने प्रेस के समक्ष अपने उद्बोधन में इस बात का दुखड़ा रोया कि श्ढाई घंटे तक देश के प्रधानमंत्री का गला विपक्ष ने घोंटा था।श उनका इशारा नयी सरकार के पहले सत्र की ओर था जिसमें संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हुई थी। दरअसल इस सत्र में मोदीजी की भरपूर फजीहत हुई थी क्योंकि उनका श्370–400श का नारा बुरी तरह से पिट गया था और जिस विपक्ष से मुक्तभारत की वे बात करते थे, वह पहले के मुकाबिल बहुत बड़े स्वरूप में उनके सामने बैठा हुआ था। जिस नेहरू खानदान को वे दिन–रात कोसते हैं और जिस राहुल गांधी को वे बहुत खराब शब्दावली से नवाजा करते हैं, वह लोकसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनकर उन पर सवाल पर सवाल दाग रहे थे। राहुल के साथ अनेक और महत्वपूर्ण विपक्षी नेता भी उनके समक्ष बैठते हैं। यह स्थिति सोमवार से जारी बजट सत्र में हैय और यह सरकार जब तक चलेगी तब तक रहेगी। वैसे अगर इस बात पर कोई शायद ही यकीन करे कि मोदी का गला कोई घोंट सकता है। एक क्षण को मान लेते हैं कि उनका गला वाकई घोंटा गया है तो यह किसी भी देश के लिये बहुत चिंताजनक बात है। स्वयं मोदी जी के सोचने की बात है कि आखिर यह देश ऐसा कैसे बन गया जहां पीएम का भी गला घोंटा जा सकता है। अब तक तो कमजोर से कमजोर प्रधानमंत्री ने भी यह शिकायत नहीं की थी। वैसे तो किसी भी राष्ट्राध्यक्ष को यह कहने का अधिकार ही नहीं है कि वह अपना गला घोंटे जाने की शिकायत करे। उसका काम लोगों के घुटते गलों को आजाद कराना है। गरीबी से जिनके गले घुटे हैं, किसी भी तरह के भेदभाव से पीड़ित जिस अवाम का गला घोंटा गया है, अशिक्षा के कारण जो बोल नहीं पाते, जिनके अधिकार छीन लिये गये हैं– उन सब की आवाज ही राष्ट्रप्रमुख होता है। चूंकि ऐसे दबे–कुचलों को आवाज देने का काम संविधान का है, प्रधानमंत्री को उसकी रक्षा करना होता है। एक ऐसी व्यवस्था बनाना ही प्रधानमंत्री का उत्तरदायित्व है कि जिसमें किसी का गला न घुटे। यदि प्रधानमंत्री मोदी यह सचमुच जानना चाहते हैं कि उनका गला कैसे घोंटा गया है या वे ऐसा क्यों महसूस करते हैं तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश के उस वाक्य को याद करना होगा जिसमें उन्हेंने कहा था कि श्आलोचना प्रेशर कुकर की सीटी की तरह है। वह अगर न बजती रहे तो कुकर का फटना तय है।श लोकतंत्र में सरकार की आलोचना इतनी जरूरी है कि यदि न होती रहे तो न केवल जनता और विपक्ष बल्कि स्वयं सत्ताधीशों का कुकर की तरह फट पड़ना लाजिमी है। आलोचना और उसका तर्कसंगत व तथ्यात्मक जवाब देने से अंदर की भाप निकलती रहती है जिससे लोकतंत्र सुरक्षित रहता है। इस सिद्धांत के विपरीत मोदीजी ने आलोचना के सारे रास्ते बन्द कर दिये हैं। सदन के भीतर वे विपक्ष का जवाब नहीं देते और बाहर वे खुली पत्रकार वार्ताएं या बातचीत नहीं करते जैसी कि सारे राष्ट्राध्यक्ष करते हैं। विपक्षी दलों के साथ किसी भी कार्यक्रम व नीतियों पर संवाद नहीं रखते। यहां तक कि खुद अपनी ही पार्टी के भीतर वे किसी मसले पर राय–मशविरा नहीं करते। ले–देकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं जिनके साथ मिलकर फैसले होते हैं। नोटबन्दी होती है तो वित्त मंत्री को पता नहीं होता, नयी ट्रेनों को मोदी जब झंडी दिखाते हैं तो रेल मंत्री आसपास भी नहीं फटक सकते, हाईवे या फ्लाईओवर का उद्घाटन होता है तो सड़क परिवहन मंत्री देश के किसी दूसरे कोने में विचरण करते रहते हैं। सच्चाई यह है कि आलोचना सुनने तथा उसका तार्किक जवाब देने से खुद सरकार का भी गला खुलता है– मोदी इस बात को नहीं समझ पाये क्योंकि उन्होंने विपक्षी नेता की कभी भी सक्रिय भूमिका नहीं निभाई। ज्यादातर वे ऐसे संगठन में रहे जहां सवाल नहीं पूछे जाते। दूसरे, वे हमेशा सत्ता में रहे। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री तथा बाद में प्रधानमंत्री। गुजरात में पहले उन्होंने उनके गले घोंटे जिन्होंने वहां भारतीय जनता पार्टी को खड़ा किया थाय फिर उनके घोंटे जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को बनाया और यहां तक लेकर आये हैं– लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी आदि। फर भी यदि मोदी को लगता है कि उनका गला घोंटा गया है, तो सम्भवतरू उन्होंने इसकी पीड़ा को भी महसूस किया होगा। फिर तो उन्हें यह भी याद होगा कि वे पहले कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दे रहे थे जो बाद में सम्पूर्ण श्विपक्ष मुक्त विपक्ष के लक्ष्य में बदल गया। पैसों व जांच एजेंसियों के बल पर कई राज्यों की चुनी हुई सरकारों को गिराकर मतदाताओं के गलों को घोंटा गया। विपक्षी नेताओं की अंधाधुंध गिरफ्तारियां की गईं। पत्रकार, लेखक, मानवाधिकार कार्यकर्ता जेलों में डाले गये हैं जो देश का गला घोंटने से कमतर नहीं है। बहुमत के बल पर पिछली लोकसभा व राज्यसभा के लगभग 150 सदस्य निलम्बित किये गये थे। प्रमुख विपक्षी दल (कांग्रेस) के बैंक खाते सील कर दिये गये। बिना चर्चा के कई तरह के विवादास्पद कानून बनाने का काम भी मोदी जी के कार्यकाल में हुआ है। देश के किसानों से उनके उत्पादों से सम्बन्धित कानूनों पर बात करने की बजाये उन्हें चुपचाप लागू करना और उसका विरोध कर रहे किसानों को दिल्ली तक न पहुंचने देने के लिये उनके रास्तों में खाई खोदना, कीलें ठोंक देना और कड़कड़ाती ठंड में उन पर पानी की बौछारें करना गला घोंटने से कम तो नहीं है। विश्वविद्यालयीन छात्रों की मांगें हों या शाहीन बाग आंदोलन, मजदूरों के मामले हों या फिर आदिवासियों के– गले घोंटने की एक लम्बी प्रक्रिया से गुजरने वाले देश का प्रधानमंत्री अपना गला घोंटने का आरोप लगायें तो उससे अधिक दुखद कुछ भी नहीं हो सकता।

शादी के बस एक महीने बाद सोनाक्षी सिन्हा ने कही ऐसी बात, डिटॉक्स ट्रीटमेंट का ले रहीं सहारा

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी को पूरा एक महीना हो गया है। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने परिवार के बीच बेहद सादगी से शादी की थी। बिना किसी तामझाम के दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। इतना ही नहीं सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी की तस्वीरें और वीडियो खूब चर्चा में रहे। अब दोनों शादी के एक महीने पूरे होने पर फिलीपींस में हैं। दोनों अपनी वन मंथ एनिवर्सरी का कोई मेगा सेलिब्रेशन नहीं कर रहे हैं, बल्कि पूरी तरह से खुद को स्ट्रेस फ्री करने में लगे हैं। हाल में ही सोनाक्षी–जहीर ने इंस्टाग्राम पर खास पोस्ट करके अपनी वेकेशन की झलकिया साझा की हैं, जिनसे नजरें हटा पाना जरा भी आसान नहीं है। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने लंबे इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि शादी की भाग–दौड़ से वो रिकवर हो रही हैं और इसके लिए उन्होंने डिटॉक्स ट्रीटमेंट का सहारा लिया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने 10 तस्वीरें साझा की हैं। किसी में सोनाक्षी पूल में पति जहीर इकबाल के साथ नजर आ रही हैं तो किसी तस्वीर में सोनाक्षी फार्म में मस्ती करते दिख रही हैं। इन तस्वीरों में उन्हें अच्छा खाना खाते, बारिश के मजे लेते और नेचर की सैर करते देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने नैचुरोपैथी की ओर शादी के ठीक एक महीने बाद मूव किया है। उनकी ये तस्वीरें काफी खूबसूरत हैं और इनमें सोनाक्षी और जहीर इकबाल का प्यार देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कैप्शन में लिखा, 'हमने अपनी शादी के एक महीने का जश्न वही करके मनाया जो हमें सबसे ज़्यादा करने की जरूरत थी दृ रिकवर हो रही हूं! यह कोई विज्ञापन नहीं है और किसी ने हमें पोस्ट करने के लिए नहीं कहा, लेकिन मैं फिलीपींस में एक फार्म की शानदार चीजों को साझा करने से खुद को नहीं रोक सकी। एक हफ्ते में हमें सिखाया गया कि सेहत का असल में क्या मतलब है, अपने शरीर की सुनें और अपने दिमाग का ख्याल रखें। प्रकृति के बीच जागना, सही खाना, समय पर सोना, डिटॉक्स ट्रीटमेंट और भरपूर

> हाल में ही सोनाक्षी–जहीर ने इंस्टाग्राम पर खास पोस्ट करके अपनी वेकेशन की झलकिया साझा की हैं, जिनसे नजरें हटा पाना जरा भी आसान नहीं है। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने लंबे इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि शादी की भाग-दौड़ से वो रिकवर हो रही हैं और इसके लिए उन्होंने डिटॉक्स ट्रीटमेंट का सहारा लिया है।

मालिश दृ एकदम नया महसूस करना। इसी पोस्ट में सोनाक्षी सिन्हा ने आगे लिखा, 'हमारे अद्भुत मित्रों को धन्यवाद जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हमें यह जीवन बदलने वाला अनुभव मिले और उन सभी अद्भुत लोगों को धन्यवाद जिन्होंने हमारे ठहरने को इतना आरामदायक बनाया दृ प्रीत, राउल, डॉ. जोसलिन, स्टेफी, क्लियो, डिटॉक्स मैन जून और हमारे मुख्य दो दृ ईजे और निक्का।'

पायल मलिक की पहले तलाक और अब सुसाइड की बात सुनकर भड़के लोग, कहा–नौटंकीबाज औरत

यूट्यूबर अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्नियां जब से बिग बॉस में गई हैं, तब से सुर्खियों में बनी हुई हैं. अरमान मलिक लगातार दो शादियों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं. सोशल मीडिया पर यूजर्स उनको बराबर ट्रोल रहे हैं. हालांकि अरमान मलिक तो बिग बॉस में हैं, ऐसे में वह ट्रोल्स का जवाब तो नहीं दे पा रहे हैं. अरमान की पहली पत्नी च्लंस डंसपा शो से बाहर आ चुकी हैं और वह ट्रोलिंग से परेशान हैं. उन्होंने हाल ही में सुसाइड की बात कही थी, जिसके बाद फिर से उनको जमकर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है. अरमान मलिक की पहली पत्नी पायल मलिक शो से बाहर आने के बाद लगातार बयानबाजी में जुटी हुई हैं. कहा जा रहा है कि वह यूट्यूब पर अच्छे व्यूज के लिए कुछ भी बयान देने में जुटी हैं. अपने व्लॉग्स में वह बड़े–बड़े दावे करती हैं. कभी अरमान मलिक से तलाक लेने की बात करती हैं तो कभी ट्रोलिंग से परेशान होकर सुसाइड के लिए कहती हैं. अब फिलहाल वह अपनी ही बात से पलटी मार चुकी हैं. पायल का लेटेस्ट व्लॉग वायरल हो रहा है, जिसमें वह यूजर्स के सवालों का जवाब दे रही थीं. ऐसे में एक यूजर ने कहा कि आप सुसाइड की बात मत करिए कम से कम अपने बच्चों के बारे में सोचिए. पायल उस यूजर की बात से सहमत हो गईं और कहा कि 'ऐसा कभी किसी को भी नहीं सोचना चाहिए, जिंदगी में दुख तकलीफें तो लगी रहती हैं. हर इंसान की जिंदगी में अच्छा और बुरा समय आता है. आप उसे कैसे जीते हैं, वही जीवन है'. पायल ने कहा कि उन्होंने सोच लिया है कि जो जैसा है उसके साथ जिंदगी जियूंगी, अरमान कृतिका जब बाहर आएंगे तबका तब देखेंगे. अब पायल मलिक के तलाक और सुसाइड वाले इस ड्रामे से लोग परेशान हो चुके हैं और उनको तमाम बातें सुना रहे हैं. उनको जमकर ट्रोल भी किया जा रहा है. कुछ यूजर्स तो पायल को इन सब बातों के लिए 'नौटंकीबाज औरत' भी बता रहे हैं.

हंसी और रहस्यों के डोज से भरपूर है फिल्म खेल खेल में

अपकमिंग मल्टीस्टारर फिल्म खेल खेल में के निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्ह्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिससे पता चलता है कि फिल्म हास्य और दिलचस्प बातचीत से भरपूर है। पोस्टर में अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, वाणी कपूर, एमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फरदीन खान को खुलकर हंसते हुए दिखाया गया है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि सभी स्टार कुछ छिपाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे अपने होठों पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा कर रहे हैं। फिल्म को हंसी–मजाक वाले पलों और दिल को छू लेने वाले कुछ दृश्यों का एक शानदार मिश्रण दिखाया गया है। खेल खेल में 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है। अल्लू अर्जुन अभिनीत पुष्पा 2 द रूल को 6 दिसंबर तक के लिए टाल दिए जाने के बाद फिल्म के लिए 15 अगस्त को रिलीज की तारीख पक्की की गई है। यह फिल्म एमी विर्क की बैड न्यूज के बाद दूसरी हालिया हिंदी रिलीज है, जिसमें विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी हैं।

खेल खेल में अब बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव अभिनीत स्त्री 2 टक्कर देगी, जो उसी दिन रिलीज हो रही है। गुलशन कुमार, टी–सीरीज और वकाऊ फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत खेल खेल में टी–सीरीज, वकाऊ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन की फिल्म है। यह मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय द्वारा निर्मित है। मुदस्सर अजीज इससे पहले कई फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं, जिनमें डबल एक्सएल (2022), पति पत्नी और वो (2019), हैप्पी फिर भाग जाएगी (2018), जिया और जिया (2017), हैप्पी भाग जाएगी (2016), दूल्हा मिल गया (2010), शोबिज (2007), जिंदगी रॉक्स (2006) और दिल दिया है (2006) जैसी सफल फिल्में शामिल हैं।

अक्षय कुमार के साथ फिल्म इंडस्ट्री के कई निर्माताओं ने की चीटिंग? एक्टर बोले– 'मैं उनसे बात नहीं करता...'

बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज़्यादा पैसे पाने वाले अभिनेताओं में से एक हैं। हालाँकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में, 'सरफिरा' अभिनेता ने खुलासा किया कि कुछ निर्माताओं ने अभी तक उनका बकाया भुगतान नहीं किया है और इसे 'धोखाधड़ी' करार दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऐसी चीजें अस्वीकार्य हैं और वह अब ऐसे लोगों का मनोरंजन नहीं करते हैं। bundantia Entertainment के साछ एक इटंरव्यू में अक्षय कुमार से पूछा गया कि क्या हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से किसी ने उन्हें धोखा दिया है। अभिनेता ने जवाब दिया, ''एक दो निर्माताओं की पेमेंट नहीं आती है और यह सिर्फ़ धोखा है।'' ऐसी स्थितियों से निपटने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, ''मैं उस व्यक्ति से बात नहीं करता, जो मुझे धोखा देता है। मैं चुप हो जाता हूँ.. मेरे साथ भी ऐसा हुआ है। कुछ निर्माताओं ने मेरा बकाया नहीं चुकाया है।'' हाल ही में मिली असफलताओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, ''हर फिल्म के पीछे बहुत सारा खून, पसीना और जुनून होता है। किसी भी फिल्म को असफल होते देखना दिल तोड़ने वाला होता है। लेकिन आपको सकारात्मक पहलू देखना सीखना होगा। हर असफलता आपको सफलता का मूल्य सिखाती है और इसके लिए आपकी भूख को और भी बढ़ाती है। सौभाग्य से, मैंने अपने करियर में पहले ही इससे निपटना सीख लिया था। बेशक, यह आपको दुख पहुंचाता है और प्रभावित करता है, लेकिन इससे फिल्म की किस्मत नहीं बदलेगी। यह ऐसा कुछ नहीं है जो आपके नियंत्रण में हो... आपके नियंत्रण में है कि आप और अधिक मेहनत करें, सुधार करें और अपनी अगली फिल्म के लिए अपना सब कुछ दें। इस तरह मैं अपनी ऊर्जा को चौनल करता हूं और अगली फिल्म पर आगे बढ़ने की कोशिश करता हूं, अपनी ऊर्जा को वहीं केंद्रित करता हूं जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है।'' इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार राधिका मदान के साथ सरफिरा में देखा गया था। यह बड़े मियां छोटे मियां के बाद 2024 में अक्षय की दूसरी रिलीज थी। दोनों ही फिल्में अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रहीं और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गईं।

अस्पताल में भर्ती हुई 'बिग बॉस 17' फेम ये एक्ट्रेस, 4 महीने से आ रहे हैं पैनिक अटैक

'बिग बॉस 17 की एक कंटेस्टेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुईं दर्द से कराहती दिख रही हैं। इस वीडियो में एक्ट्रेस की बेसुध कंडीशन में है और कुछ बड़बड़ा रही हैं। हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे है वो सोनिया बंसल हैं। जी हां, सोनिया बंसल को लेकर खबर आई है कि उन्हें तबीयत बिगड़ने के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोर्सेज के मुताबिक कल रात जब वह एक अवॉर्ड सेरेमनी में शामिल हुई थीं तभी से उन्हें बेचौनी महसूस हो रही थी। इसके बाद अचानक सोनिया की हालत बिगड़ने लगी, जिसके बाद फौरन उन्हें कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बिग बॉस 17 की एक कंटेस्टेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुईं दर्द से कराहती दिख रही हैं सोनिया बंसल को लेकर खबर आई है कि उन्हें तबीयत बिगड़ने के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया रिपोर्ट की मानें तो सोनिया को पिछले चार महीनों से पैनिक अटैक आ रहे हैं। इसके साथ ही मेंटल हेल्थ से जुड़े कुछ इशूज भी हैं। हालांकि एक्ट्रेस खुद को मोटिवेट करने की खूब कोशिश करती हैं लेकिन कभी–कभी उनकी हालत ज्यादा बिगड़ जाती है। इस वीडियो के वायरल होते ही सोनिया के फैंस काफी परेशान हैं। एक्ट्रेस को इस हालत में देखकर फैंस उनकी जल्द रिकवरी की दुआ कर रहे हैं। बता दें कि सोनिया बंसल उत्तर प्रदेश के आगरा की रहने वाली हैं। सोनिया 'बिग बॉस 17' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। ये उस वक्त शो से एलिमिनेट होने वाली पहली कंटेस्टेंट थीं। 'बिग बॉस 17' में अपनी पारी के लिए मशहूर सोनिया बंसल ने फिल्मों में 'गेम 100 करोड़' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने 'नॉडी गैंग' और 'डुबकी' में भी काम किया है। इससे पहले सोनिया को धीरा, ड्रीम स्लेयर, शूरवीर और डुबकी जैसी कुछ अलग हटके प्रोजेक्ट्स में देखा गया है। वहीं जल्द ही वेब सीरीज 'शूरवीर' में नजर आएंगी।

> सोनिया बंसल उत्तर प्रदेश के आगरा की रहने वाली हैं। सोनिया 'बिग बॉस १७' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। ये उस वक्त शो से एलिमिनेट होने वाली पहली कंटेस्टेंट थीं। 'बिग बॉस १७' में अपनी पारी के लिए मशहूर सोनिया बंसल ने फिल्मों में 'गेम १०० करोड़' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

बजट में कैंसर मरीजों को बड़ी राहत, 3 दवाओं से हटी कस्टम ड्यूटी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को 2024–2025 के बजट में 90,958.63 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2023–24 के संशोधित अनुमान 80,517.62 करोड़ रुपये से 12.96 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने कैंसर के उपचार की तीन दवाओं–ट्रैस्टुजुमैब डेरक्सटेकन, ओसिमर्टिनिब और डुरवालुमैब पर सीमा शुल्क में छूट की भी घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को संसद में बजट पेश करते हुए कहा–''कैंसर रोगियों को राहत प्रदान करने के लिए, मैं तीन और दवाओं को सीमा शुल्क से पूरी तरह छूट देने का प्रस्ताव करती हूं। मैं चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के तहत मेडिकल एक्स–रे मशीनों में उपयोग के लिए एक्स–रे ट्यूब और फ्लैट पैनल डिटेक्टरों पर बीसीडी (मूल सीमाशुल्क) में भी बदलाव का प्रस्ताव करती हूं। आयुष मंत्रालय के लिए बजट आवंटन को 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3,712.49 करोड़ रुपये किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय को आवंटित 90,958.63 करोड़ रुपये में से 87,656.90 करोड़ रुपये स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को तथा 3,301.73 करोड़ रुपये स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग को आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत योजनाओं के लिए बजट आवंटन 77,624.79 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 87,656.90 करोड़ रुपये कर दिया गया है। केंद्र प्रायोजित योजनाओं में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए बजट आवंटन 2023–24 में 31,550.87 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2024–25 में 36,000 करोड़ रुपये और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम–जेएवाई) के लिए 6,800 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7,300 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए बजट आवंटन 65 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 90 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन के लिए आवंटन पहले की तरह 200 करोड़ रुपये ही है। केंद्रीय बजट में स्वायत्त निकायों के लिए बजट आवंटन 2023–2024 में 17,250.90 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2024–25 में 18,013.62 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इन निकायों में एम्स, नई दिल्ली के लिए आवंटन 4,278 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 4,523 करोड़ रुपये कर दिया गया है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के लिए आवंटन 2295.12 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2,732.13 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

रेस्टोरेंट स्टाइल में घर पर बनाएं साउथ इंडियन सांभर, नोट करें रेसिपी

साउथ इंडिया में डोसा सबसे ज्यादा खाया जाता है इसके साथ ही सांभर परोसा जाता है। सांभर एक प्रमुख डिश है। दाल की जगह लोग सांभर को खाना पसंद करता है। हेल्थ की दृष्टि से यह डिश काफी फायदेमंद है। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

सांभर की सामग्री

– अरहर की दाल– 1 कप
– सांभर मसाला– 2 चम्मच
– हल्दी – आधी चम्मच
– नमक – स्वादानुसार
– सरसों– 1 चम्मच
– करी पत्ता – 6–8
– इमली का पानी – 1 कप
– साबुत लाल मिर्च – 2
– गाजर – 1 कप कटी हुई
– प्याज – 1 कटा हुआ
– बैंगन – 1 कटा हुआ
– सहजन की फली – 6–7 स्टिक
– हरा धनिया– 2 चम्मच कटा हुआ
– तेल – 2 चम्मच

सांभर बनाने का तरीका

– सबसे पहले अरहर की दाल को पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद एक पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और प्याज सहित सभी सब्जियां डालकर भूनें।

– सब्जियां भूनने के बाद उसमें नमक और हल्दी मिलाएं। जब सब्जियां पक जाए, तो फ्लेम बंद कर दें।

– इसके बाद कुकर में दाल डालें और 2–3 सीटी आने तक पका लें। जब दाल पक जाए, तो इसमें पकी हुई सभी सब्जियां डालकर मिलाएं और ढक्कन खोलकर उबालें।

– अब उबलती हुई दाल में सांभर मसाला डालकर मिलाएं साथ ही तड़का लगाने वाला पैन गर्म करें।

– फिर पैन में तेल डालें। तेल गर्म होने के बाद उसमें साबुत लाल मिर्च, सरसों और करी पत्ता डालकर भूनें।

– अब इस तड़के को दाल में डालकर मिक्स करें। ऊपर से हरा धनिया डालकर गार्निश करें और सांभर बनकर तैयार है। इसे आप चवाल, इडली, डोसा आदि के साथ सर्व कर सकते हैं।

जानिए क्यों भगवान शिव की पत्नी बनने से पहले माता पार्वती को करनी पड़ी थी कठोर तपस्या?

माता पार्वती और भगवान शिव की कथा सावन के महीने को अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण बनाती है। कहा जाता है कि सावन के महीने में देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। यह कहानी हिंदू धर्म के पौराणिक कथाओं में विशेष महत्व रखती है। ऐसे में इस महीने माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए उपरोक्त उपायों का पालन करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख, समृद्धि, और शांति का वास होता है।

कथा का विवरण

पार्वती, हिमालय पर्वत के राजा हिमावन और रानी मैनावती की पुत्री थीं। उनका जन्म इस उद्देश्य से हुआ था कि वे भगवान शिव को पुनः अपने पति के रूप में प्राप्त कर सकें। युवा अवस्था में ही पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए तपस्या करने का निश्चय किया। उन्होंने कठोर व्रत और उपवास का पालन किया, और ध्यान एवं साधना में लीन हो गईं।

माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न हुए थे भोलेनाथ

पार्वती ने कई वर्षों तक बिना भोजन और पानी के तपस्या की। उन्होंने केवल बेलपत्र और धतूरा खाकर अपनी साधना जारी रखी। उनकी तपस्या इतनी कठोर थी कि ध आरती पर उनके प्रभाव से सूखा और अकाल पड़ने लगे। पार्वती की अटूट भक्ति और तपस्या से प्रभावित होकर भगवान शिव ने उनके समर्पण को स्वीकार किया। उन्होंने पार्वती के समक्ष प्रकट होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। इसके बाद शिव और पार्वती का विवाह हुआ, जो पूरे ब्रह्मांड में धूमधाम से मनाया गया। यह विवाह अनेकों पौराणिक कथाओं और धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है।

सावन में माता पार्वती को प्रसन्न करने के उपाय

सावन का महीना भगवान शिव और माता पार्वती दोनों की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। इस महीने में माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं जैसेः

व्रत और उपवासः सावन के सोमवार को व्रत रखकर माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करें। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित और अविवाहित महिलाओं के लिए लाभकारी माना जाता है।

पूजा और आरतीः रोजाना माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करें। उन्हें बेलपत्र, धतूरा, सफेद फूल, और चंदन अर्पित करें।

कथा और भजनः माता पार्वती और शिवजी की कथा सुनें और भजन गाएं। इससे माता पार्वती प्रसन्न होती हैं और अपनी कृपा बरसाती हैं।

दूध और जल से अभिषेकः शिवलिंग पर दूध और गंगाजल से अभिषेक करें। इससे भगवान शिव और माता पार्वती दोनों प्रसन्न होते हैं।

विशेष ध्यानः माता पार्वती का ध्यान करते हुए ओमः पार्वतीपतये नमः मंत्र का जाप करें। इससे मानसिक शांति और इच्छाओं की पूर्ति होती है।

संध्या आरतीः संध्या के समय माता पार्वती की आरती करें और उन्हें नैवेद्य अर्पित करें।

पसीने की बदबू को दूर करने के लिए करते हैं डियोड्रेंट का इस्तेमाल, तो पहले जान लें ये नुकसान

हम सभी रोजाना कई सारे केमिकल्स के बीच जीते हैं। लेकिन यह हमारी लाइफस्टाइल का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। कुछ को तो हमने शौक या लग्जरी के कारण अपना लिया है। इनमें से एक हिस्सा कॉस्मेटिक का है। साबुन से लेकर शैंपू और परफ्यूम से लेकर लोशन और डियो स्टिक तक हर चीज में रसायन होता है। जाहिर है जब हमारा शरीर कई रसायनों से होकर गुजरेगा, तो वह रासायनिक प्रतिक्रिया भी देगा। डियोड्रेंट भी इसे के अंतर्गत आता है। भीषण गर्मी हो या बारिश के उमस भरे दिन लेकिन शरीर पर खुशबूदार डियो लगाने भर से मन अच्छा हो जाता है। त्वचा की एसिडिटी को बढ़ाकर डियोड्रेंट बदबू पर कंट्रोल करता है। लेकिन यह पसीने को कंट्रोल नहीं करना है। डियोड्रेंट एक तरह का कॉस्मेटिक है, जो रसायनों से बनाए जाते हैं। पसीने की बदबू को रोकने के लिए इनमें परफ्यूम का उपयोग होता है। वहीं इसमें एल्कोहल भी होता है। यही वजह है कि जब आप डियोड्रेंट त्वचा पर अप्लाई करते हैं, तो आपकी त्वचा रूखी और रंगहीन हो सकती है।

एलर्जी और डियो

बता दें कि डियो की वजह से कई बार एलर्जी ट्रिगर हो जाती है। जिसके कारण स्किन पर दाने, लाली, रैशेज, खुजली, जलन होना या त्वचा पर पपड़ी बनना या सूजन आने के अलावा सांस संबंधी लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। आमतौर पर यह कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस का एक प्रकार होता है। क्योंकि डियो में अल्कोहल, कृत्रिम सुगंध, एल्युमिनियम, पैराबीन्स जैसे प्रिजर्वेटिव्ज, रंग या अन्य रसायन होते हैं। जिनकी वजह से ऐसी समस्या हो सकती है।

इन बातों का रखें खास ख्याल

अगर आपकी स्किन संवेदनशील है, तो आपको डियो का चुनाव बहुत सतर्कता के साथ करना चाहिए। अच्छा होगा यदि आप विशेषज्ञ की परामर्श से लें।

आपको इस बात तो याद रखना चाहिए कि पसीना बदबूदार नहीं होता है, बल्कि त्वचा पर पलने वाले बैक्टीरिया के कारण बदबू बनती है। इसलिए अगर आप बॉडी ओडर से परेशान हैं, तो पहले इसकी वजह जानें। न कि बिना सोचे–समझे ढेर सारे डियो का इस्तेमाल करने लगें। क्योंकि हो सकता है कि आपको कोई ऐसी परेशानी हो, जिसका इलाज जरूरी हो।

रोज अच्छे से नहाने, शरीर को साफ रखने, कॉटन के साफ धुले कपड़े पहनने, शरीर के अतिरिक्त बालों को हटाने और खान–पान में थोड़ा बदलाव कर आप पसीने की बदबू से काफी हद तक निजात पा सकते हैं।

नारियल तेल, टी ट्री ऑइल, आर्मपिट डिटॉक्स, एलोवेरा, एप्सम सॉल्ट, कोल्ड कम्प्रेस, आदि जैसी चीजों से भी पसीने की बदबू को कंट्रोल किया जा सकता है।

अगर इन सामान्य उपायों को अपनाने के बाद भी आपको राहत नहीं मिल रही है और एलर्जी के लक्षण दिख रहे हैं, तो ऐसी कंडीशन में आपको फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

आर्थराइटिस की समस्या को गंभीर कर सकता है मोटापा, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

आजकल की बदलती लाइफस्टाइल के कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं हो जाती हैं। इन्हीं समस्याओं में से एक मोटापा है। जो लोगों को तेजी से अपना शिकार बना रही है। खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण लोगों का तेजी से वजन बढ़ रहा है। मोटापा एक गंभीर समस्या है, जो दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित कर रहा है। WHO ने इसको लेकर चेतावनी भी जारी की है। मोटापा कई सेहत संबंधी समस्याओं की वजह बन सकता है। बता दें कि आर्थराइटिस भी एक ऐसी ही समस्या है, जो मोटापे का परिणाम हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मोटापा किस तरह से गठिया को प्रभावित करता है और इनमें क्या संबंध है।

जानिए मोटापा और गठिया में संबंध

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, जोड़ों में सूजन, परेशानी और मूवमेंट में कमी होना गठिया के लक्षण हैं। यह एक पुरानी बीमारी है। इस बीमारी में जोडों में सूजन और कठोरता आ जाती है। इसको अर्थराइटिस के नाम से जाना जाता है। मोटापा उन कारकों में से एक है, जो व्यक्ति को ऑस्टियोआर्थराइटिस का शिकार बनाता है। OA गठिया का सबसे प्रचलित प्रकार है। वहीं जब व्यक्ति का वजन बढ़ता है, तो घुटने और कूल्हे सहित वजन सहने वाले जोड़ों पर मैकेनिकल स्ट्रेस बढ़ जाता है।

गठिया को बदतर बना सकता है मोटापा

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो बायोमैकेनिक्स और जोड़ों की अलाइनमेंट को मोटापा बदल सकता है। जिसके कारण असामान्य लोडिंग पैटर्न हो सकता है। जोड़ों को सहारा देने वाले लिगामेंट्स और टेंडन के कमजोर होने की वजह से मोटापा जोड़ों की स्थिरता को अधिक खतरे में डालने का काम करता है। इस कारण जोड़ों की डिजनरेटिव प्रोसेस तेज हो जाती है और उनके डैमेज होने का खतरा अधिक बढ़ जाता है।

गठिया में जरूरी है वेट लॉस

वजन कम करने से जोड़ों पर शरीर का दबाव कम हो सकता है। साथ ही इससे ऑस्टियोआर्थराइटिस का खतरा और इंटेंसिटी कम हो सकती है। गंभीर गठिया होने पर जब इलाज, लाइफस्टाइल में बदलाव से भी मरीजों को लंबे समय तक राहत नहीं देते हैं। तो फिर घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी जरूरी हो सकती है। पिछले कुछ सालों में रोबोटिक आर्म–असिस्टेड तकनीक ने दुनियाभर में ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी को बदल दिया है।

रोबोटिक्स तकनीक

इस तकनीक के बारे में बताते हुए डॉक्टर ने कहा कि मरीज के रोगग्रस्त जोड़ का रोबोटिक्स तकनीक सीटी स्कैन के आधार पर एक वर्चुअल 3डी मॉडल बनाने में सहायता करती है। बता दें कि यह तकनीक डॉक्टर्स को ऑपरेशन से पहले सर्जरी की योजना बनाने, रिप्लेसमेंट अलाइनमेंट तय करने और सटीक हड्डी काटने में सहायक होती है।

एक वृक्ष मां के नाम

प्रयागराजप। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चलाये जा रहे "एक वृक्ष माँ के नाम अभियान" के तहत चल रहे वृक्षारोपण के अन्तर्गत इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. मनमोहन कृष्ण जी ने भी वृक्षारोपण किया। उनके साथ-साथ समाजशास्त्र विभाग के प्रो. आशीष सक्सेना और अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. जावेद अख्तर जी ने भी वृक्षारोपण किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के अंतर्गत फलदार वृक्षों का रोपण किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों से इस अभियान के तहत अपने अपने आवासों के आस-पास एक-एक पेड़ लगाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कर हमें प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन अवश्य करना चाहिये।

महिला प्रकोष्ठ की बैठक में कार्यकारिणी का किया गठन

प्रतापगढ़। शहर के दहिलामऊ स्थित प्रताप सदन में गुरुवार को राजाभैया की पार्टी जनसत्ता लोकतांत्रिक के महिला प्रकोष्ठ की बैठक जिला अध्यक्ष वंदना उपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें पार्टी के विस्तार, सदस्यता अभियान, ब्लॉक अध्यक्षो की नियुक्ति, जिला कार्यकारिणी में पदाधिकारी के विस्तार में सहयोग एवं 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह में पदाधिकारी की उपस्थिति आदि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मांधाता ब्लॉक की ब्लॉक अध्यक्ष नीतू किन्नर के द्वारा मांधाता ब्लॉक की कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया। इस मौके पर जिला महासचिव माधुरी सिंह जिला सचिव सलमा बानो, मधुबाला श्रीवास्तव एवं अन्य महिला पदाधिकारी मौजूद रही।

बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, बच्चा बैंक ने अपनाया

कुएं में गिरने से हुई थी लल्लू विश्वकर्मा की मौत अपने पीछे छोड़ गया तीन मासूम बच्चे

प्रतापगढ़। लल्लू विश्वकर्मा की मौत के बाद उसके तीन मासूम बच्चों का सहारा बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी बनेगा। उनकी पढ़ाई का सारा खर्च अब बैंक उठाएगा। गुरुवार को बच्चों को स्कूली बैग और स्टेशनरी ग्रुप की तरफ से दिया गया। जिसे पाकर बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं था। जोगापुर के रहने वाले लालू विश्वकर्मा अपना पुस्तैनी धंधा करके अपना और परिवार का पालन पोषण करता था। उसके तीन बच्चे काजल, आंचल और अनुराग पढ़ रहे हैं। कुछ दिनों पहले लल्लू की कुएं में गिरने से मौत हो गई थी। मौत के बाद परिवार पर पहाड़ टूट गया था। बच्चों की पढ़ाई चौपट न हो। उनके जीवन में शिक्षा का अंधेरे न होने पाए। इसके लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप ने पहल की है। गुरुवार को ग्रुप की तरफ से तीनों बच्चों को स्कूली बैग और स्टेशनरी दी गई। ग्रुप के सहयोगी मोहम्मद अनीश और वीके तिवारी ने कहा है कि इन बच्चों की पढ़ाई नहीं रुकेगी।

साकेत एक्सप्रेस पर युवक ने किया पथराव

यात्रियों ने चलती ट्रेन से धक्का देकर नीचे उतार दिया था

प्रतापगढ़। यात्रियों द्वारा धक्का देकर चलती ट्रेन से नीचे उतारे जाने से खफा युवक ने ट्रेन पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। लेकिन अफरातफरी मच गई। यात्री कोच की खिड़की और दरवाजे बंद कर लिए। मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन से छूटने के बाद साकेत एक्सप्रेस भंगवा क्रासिंग पार कर चुकी थी। इसी बीच जनरल कोच से एक युवक को धकलते हुए राहगीरों ने देखा। युवक जान जोखिम में डालकर कर नीचे कूद पड़ा। उसके बाद उसने ट्रैक पर पड़ी गिट्टियां उठा कर कोच पर फेंकना शुरु कर दिया। आरपीएफ का कहना है कि घटना की जानकारी नहीं है। किसी ने शिकायत नहीं की है। युवक का आरोप था कि उसे चढ़ने नहीं दिया गया। धक्का दिया गया। वह प्रतापगढ़ का रहने वाला है।

पानी के अभाव में बंजर हो रही खेती वाली जमीनें

प्रतापगढ़, कुंडा। नगर पंचायत इलाके में सिंचाई का साधन नहीं होने से किसानों की सैकड़ो बीघे खेती बेकार हो रही है। पानी के अभाव में खेती वाली जमीने बंजर होती जा रही हैं। धान, गेहूं, सब्जी जैसे महत्वपूर्ण फसले तैयार करने वाले खेत सूखे पड़े हैं। किसानों ने चेयरमैन से नलकूप लगाए जाने की गुहार लगाई है। नगर पंचायत मानिकपुर के भोला का पुरवा, मिरगढ़वा मोहल्ले समेत कई मोहल्ले में आने वाले कृषि योग्य सैकड़ो बीघे खेती सिंचाई के साधन के अभाव में बेकार हो रही है। दो वर्ष से किसान खेती नहीं कर पा रहे हैं। उपजाऊ जमीन पर धान, गेहूं, सब्जियों की खेती करने वाले किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। किसानों ने चेयरमैन को शिकायती पत्र देकर सिंचाई के लिए सरकारी नलकूप लगवाए जाने की मांग की है। इलाके के महादेव साहू, हसन इमाम गुड्डू, राजेन्द्र कुमार शर्मा, नन्दलाल मौर्य, आलोक मौर्य, राम कृष्ण, दशरथ लाल, छोटेलाल, राम नरेश विश्वकर्मा, हरी कृष्ण, शुभम विश्वकर्मा, धुन्नीलाल मौर्य, लालजी मौर्य, विनोद कुमार, दशाराम, विमल कुमार, रामदीन, रामचन्दर, प्रमोद कुमार, छोटेलाल, अवधेश कुमार, दिनेश कुमार, शीतला प्रसाद, राम किशोर आदि दर्जनों किसानों से पत्र चेयरमैन को देकर सिंचाई के लिए सरकारी नलकूप लगवाने की मांग की है।

पूर्व प्रधान की पत्नी बनीं निर्विरोध ग्राम प्रधान

प्रतापगढ़, कुंडा। दिनदहाड़े गला रेतकर प्रधान की हत्या कर दी गयी थी। जिस पर उप चुनाव हुआ पर उप चुनाव में गांव के किसी भी व्यक्ति ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। इससे मृतक की पत्नी निर्विरोध प्रधान चुनीं गई। बाबागंज ब्लॉक के डिहवा जलालपुर गांव निवासी प्रधान करुणेश भारती उर्फ मम्मन की बीते सात जून को कुंडा के जमेठी गांव के पास उसी की कार में दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। हत्या में महिला का मामला सामने आया था। जिला प्रशासन ने प्रधान के उपचुनाव की घोषणा किया तो सहानुभूति में किसी ने नामांकन नहीं दाखिल किया। केवल मृत प्रधान की पत्नी अनिका सिंह और जेठानी हेमलता ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। जांच के दौरान दोनों नामांकन पत्र वैध पाए गए। बुधवार को अनिका सिंह की जेठानी हेमलता ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। जिससे आरओ शैलेन्द्र ने अनिका सिंह को निर्विरोध प्रधान घोषित कर दिया। इससे प्रधान समर्थकों में काफी खुशी रही।

साहित्यकार डॉ. दुर्गाचरण मिश्र की 87वी वर्षगांठ पर साहित्य मंदाकिनी का सरस साहित्यिक अनुष्ठान

कानपुर। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.दुर्गा चरण मिश्र के 87वें जन्मदिन की वर्षगांठ पर सरस साहित्यिक अनुष्ठान,का आयोजन साहित्यिक संस्था श्साहित्य मंदाकिनीश ने इन्दिरा नगर स्थित संस्था कार्यालय श्रामायणश्र में बुधवार 24 जुलाई 2024 को संपन्न किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार शिव शरण त्रिपाठी ने तथा संचालन हास्य-व्यंग्य कवि श्रवण शुक्ल ने किया। मुख्य अतिथि शिक्षाविद प्रेम चन्द्र अग्निहोत्री तथा मुख्य वक्ता साहित्यकार हरीलाल मिलन रहे। उपस्थित अतिथियों ने डॉ. मिश्र के स्वस्थ एवद दीर्घ जीवन की कामना के साथ उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार रखते हुए उन्हें सहृदय व्यक्तित्व का धनी तथा

साहित्य का कर्मठ सेवी बताया।डॉ.मिश्र का साहित्यिक सेवाओं के लिए विशिष्ट जनों के साथ परिवार के लोगों ने सारस्वत सम्मान करके श्रद्धाभाव प्रकट किया।

इस अवसर पर युवा साहित्यकार प्रवीण मिश्र द्वारा संपादित डॉ.दुरगाचरण मिश्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाशित कृति श्षडशीतिरू प्रभाश का लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ. कमलेश अग्निहोत्री की शारदे वंदना तथा नवगीतकार जयराम राम की गुरू वंदना से हुआ। काव्यधारा के अंतर्गत सर्वश्री डॉ. दुर्गाचरण मिश्र,ओमप्रकाश श्अमिय श्र, हरीलाल मिलन, अशोक शास्त्री, श्रवण शुक्ल ,वीना उदय,संजीव मिश्र व जयराम सिंह जय ने सरस कविताओं की रसधार प्रवाहित कर श्रोताओं को तालियां बजाने के लिए मजबूर किया।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. दुरगाचरण मिश्र के सम्मान में नगर के शिक्षा,कला साहित्य व पत्रकारिता से जुड़े गणमान्य उपस्थित रहे। अंत में संयोजक प्रवीण मिश्र ने आगतों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ साहित्यकार अधिदर्शक चतुर्वेदी की तेरहवीं सम्पन्न

चतुर्वेदी जी प्रतिभाशाली रचनाकार थे- डॉ अनुज प्रताप सिंह

साफगोई उनकी रचनाओं का मूल आधार थी- भोलानाथ कुशवाहा

मिर्जापुर। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार स्व.अधिदर्शक चतुर्वेदी के तेरहवीं संस्कार पर 24 जुलाई को पानदरीबा के राजस्थान भवन में आयोजित श्रद्धांजलि भोज कार्यक्रम में नगर के अनेक साहित्यकार व कवि-शायर शामिल हुए। इस दौरान चतुर्वेदी जी के चित्र पर लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी स्मृतियों को याद किया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अनुज प्रताप सिंह ने कहा कि अधिदर्शक चतुर्वेदी प्रतिभा शाली रचनाकार थे। वह नज्म, गजल और वैचारिक कविता के सशक्त कवि थे। उनकी रचनाओं में विस्तार

के साथ जीवन्तता झलकती थी।

भोलानाथ कुशवाहा ने कहा कि साफगोई उनकी रचनाओं का मूल आधार थी। गणेश गंभीर ने उन्हें विद्रोही कवि बताया।डॉ रमाशंकर शुक्ल ने कहा कि चतुर्वेदी जी का जीवन संघर्ष का था और वही सब उनकी रचनाओं में झलकता है। लल्लू तिवारी ने कहा कि उनकी कविताएँ जीवन से जुड़ी थीं। अरविंद अवस्थी ने कहा कि अपनी रचनाओं में वह बहुत वैचारिक थे। केदार नाथ सविता ने सच बोलने वाला और कहने वाला कवि बताया। इस अवसर पर शामिल अन्य लोगों में आनन्द केसरी, श्रीमती राधा केसरी, अमरनाथ सिंह, श्याम अचल आदि रहे।

ज्ञात हो कि चतुर्वेदी जी का निधन गत 11 जुलाई, 24 को नोएडा में हो गया था। उनके परिवार के लोगों ने अन्तिम संस्कार नोएडा में करने के बाद उनकी कर्मभूमि मिर्जापुर में श्राद्ध एवं तेरहवी का कार्यक्रम किया। इसके लिए उनके पुत्र,पुत्रियां,बहू एवं अन्य सदस्य यहाँ आकर पूरे कार्यक्रम तक रहे और सभी मित्रों, परिचितों एवं साहित्यकारों को श्रद्धांजलि भोज में शामिल किया। उनके परिवार के लोगों में पुत्र योगेश चतुर्वेदी के साथ मुक्ति शर्मा, जया पाठक, मनीष शर्मा, राजेश पाठक, सुशील शर्मा, सरोज शर्मा, उषा पाठक आदि शामिल थे।

विश्वनाथ में केंद्रीय हिंदी निदेशालय शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का साहित्य कुंभ का शुभारंभ

उद्घाटन सत्र में विधायक प्रमोद बरठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की

शिविर में देश के प्रसिद्ध हिंदी विद्वान ने हिंदी भाषा व साहित्य के विविध विधाओं परिचर्चा की

बिश्वनाथ, । केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) भारत सरकार तथा बिश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर भाषी हिंदी नवलेखक शिविर का आयोजित पाँच दिवसीय शिविर का आज सुबह 10 बजे राष्ट्रीय विद्यालय में उद्घाटन सत्र से शुरू हुआ। उद्घाटन सत्र की

अध्यक्षत प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, वि. चा.रा.भा. प्रबोध विद्यालय परिचालना ने की। मुख्य अतिथि प्रमोद बरठाकुर, विधायक, विश्वनाथ विधानसभा समष्टि, विशिष्ट अतिथि के रूप में अमरज्योति बरठाकुर, पौरपति, विश्वनाथ चारिआलि नगरपालिका मौजूद थे। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन डॉ० शालिनी राजवंशी, सहायक निदेशक (भाषा) व शिविर प्रभारी, केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा हुआ। संस्थान के विद्यार्थी तथा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति हुई।स्वागत भाषण संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम के जरिए केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार के निदेशक प्रो० सुनील बाबुराव कुलकर्णी जी ने उद्बोधन व्याख्यान दिये। उन्होंने हिंदी भाषा व साहित्य के ऊपर सारगर्भित वक्तव्य देते हुए हिंदीतर भाषी क्षेत्र में काम कर रहे विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति की कार्य की सराहना की।संस्थान का परिचय देते हुए शिविर निदेशक व संस्थान के सचिव संतोष कुमार महतो ने संस्थान के अब तक संपूर्ण कार्यशैली पर प्रकाश डाला। केंद्रीय हिंदी निदेशालय के सहायक निदेशक (भाषा) व शिविर प्रभारी डॉ० शालिनी राजवंशी द्वारा निदेशालय का परिचय प्रस्तुत हुआ। संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय के द्वारा संचालित उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन साहित्यिक सचिव मदनगोपाल साहू ने किया।

इस नवलेखक शिविर के दौरान हिंदी भाषा तथा साहित्य की विविध विधाओं पर व्याख्यान सत्र प्रस्तुत जिसमें देश के कई हिंदी भाषाओं के विद्वानों ने भाग लिया ।जिसमें अखिल भारतीय स्तरीय के मार्गदर्शक के रूप में क्रमशः पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा पंजाब के जनसंचार तथा मीडिया अध्ययन विभाग के सह -प्राध्यापक डॉ० किंशुक पाठक, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वनाथ, शिलांग मेघालय के हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ० आलोक सिंह और नगाँव के हिंदी विभाग सहायक आचार्या डॉ० करबी देवी मौजूद थी।

नगर आयुक्त द्वारा कुम्भ मेला के कार्यों तथा साफ-सफाई का किया निरीक्षण

प्रयागराज। आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, श्री चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा आज दिनांक 24 जुलाई 2024 को आगामी कुम्भ मेला के दृष्टिगत शहर के विभिन्न स्थलों पर हो रहे निर्माण कार्यों तथा नगर की सफाई व्यवस्था के कार्यो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मुख्य अभियन्ता निर्माण तथा मुख्य अभियन्ता विद्युत के अतिरिक्त अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता अवर अभियन्ता टी0पी0आई0 की टीम तथा सम्बन्धित फर्म के ठेकेदार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम नगर आयुक्त द्वारा खुल्दाबाद ओल्ड जी0टी0रोड, चकिया, कसारी मसारी में साफ-सफाई के निरीक्षण के दौरान

कई जगहों पर कूडे के ढेर तथा नालिया में शिल्ट भरी हुई पायी गयी जिससे नगर आयुक्त द्वारा रोष व्यक्त करतें हुए कड़ी फटकार लगायी गयी इसी के साथ ही उक्त क्षेत्र की साफ-सफाई के साथ सफाई एवं खाद्य निरीक्षक को चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये, तथा सम्पूर्ण क्षेत्र की सफाई कराते हुए फोटोग्राफ प्रेषित करने के निर्द्रेश दिये गये।

कुम्भ मेला के निर्माण कार्यो के दौरान कसारी-मसारी तथा राजरूपपुर में नाली निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान प्रथम दृष्टियाः में पाया गया कि फर्म द्वारा निर्माण कराये जा रहे नालियों का लेवल सही नही है और न ही मटेरियल की क्वालिटी। नगर आयुक्त द्वारा रोष व्यक्त करते हुए मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया कि सम्बन्धित फर्म पर अर्थदण्ड आरोपित करते हुए अवर अभियन्ता को चेतावनी पत्र जारी करें साथ ही सभी कमियों को ठीक कराते हुए रिपोर्ट प्रेषित करें।

जहॉगीराबाद नैनी में बने वर्कशाप के पास डामर रोड के निरीक्षण के उपरान्त महेवा रोड पर एग्रीकल्चर कालेज के पास कुम्भ के कार्यो के निरीक्षण के दौरान मार्ग प्रकाश स्थापना कार्य कराया जा रहा था जिसपर नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया कि प्रत्येक पोल का वजन तथा स्ट्रीट लाइटों की टेस्टिंग कराते हुए मार्ग प्रकाश स्थापना का कार्य कराया जाए साथ ही उक्त की रिपोर्ट भी प्रेषित करें। इस प्रकार पुराफतेह मोहम्मद नैनी रोड पर नाली निर्माण के निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य मानक के अनुरूप नही होता पाया गया। नगर अयुक्त द्वारा अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यो में प्रयोग में लाये जाने वाले मैटेरियल की जॉच करायी जाए साथ ही जहॉ-जहॉ निमाण खराब पाया गया उस स्थान पर पुनः तोड कर निर्माण कार्य कराया जाए इस हेतु मुख्य अभियन्ता को फर्म पर नियमानुसार कार्यवाही किये जाने के भी निर्देश दिये गये। सम्पूर्ण निरीक्षण के दौरान कई जगहो पर सीवर सफाई कार्य कराया जाता हुआ पाया गया। नगर आयुक्त महोदय द्वारा महाप्रबन्धक जलकल को रात में भी सीवर सफाई कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को दिया गया टैबलेट

प्रतापगढ़, लालगांज। नगर स्थित भागवत दत्त महाविद्यालय अझारा में गुरूवार को स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अन्तर्गत छात्र छात्राओं को टैबलेट वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुल तीन सौ पैंतालिस छात्र छात्राओं को टैबलेट वितरण किया गया। टैबलेट पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे। महाविद्यालय के संस्थापक पूर्व आईएएस रमेशचंद्र मिश्र के साथ मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस अरविन्द नारायण मिश्र ने बच्चों में टैबलेट का वितरण किया। प्राचार्य डॉ0 पूनम त्रिपाठी ने महाविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत किया। वहीं प्रबंधक सुनीता मिश्रा, प्रकाशचंद्र मिश्र ने टैबलेट वितरण कार्यक्रम का संयोजन किया। मुख्य अतिथि अरविन्द नारायण मिश्र व महाविद्यालय के संस्थापक रमेशचंद्र मिश्र ने छात्र छात्राओं को टैबलेट के सदुपयोग को लेकर प्रेरित किया। इस मौके पर डॉ0 लक्ष्मीकांत तिवारी, डॉ0 रेखा पाण्डेय, डॉ0 शालिनी शुक्ला, डॉ0 लक्ष्मीकांत द्विवेदी, राहुल सिंह, संतोष शुक्ल, हृदय पाण्डेय, विनोद पाण्डेय, शुभम श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त

सूबेदार सिंह पुनः बने विकास कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के प्रदेश अध्यक्ष

प्रतापगढ़। लालगंज स्थित कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर गुरूवार को प्रमोद तिवारी विकास कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रान्तीय संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने प्रदेश अध्यक्ष पद पर राणा सूबेदार सिंह चौहान के कार्यकाल में बढोत्तरी का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव का समिति की आम सभा ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधान एवं समाजसेवी राणा सूबेदार सिंह चौहान की अगुवाई में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के विकासपरक नेतृत्व को मजबूत बनाने का संकल्प जताया। बैठक का संचालन सह संयोजक विकास मिश्र ने किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, केडी मिश्र, मोनू पाण्डेय, राजू पाण्डेय, विनय पाण्डेय, आचार्य राजेश मिश्र, बेलाल रहमानी, गीता सिंह, बंटी जायसवाल समेत अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास व अर्थ दंड की सजा

प्रतापगढ़। अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम पारुल वर्मा ने दलित नाबालिक के साथ दुष्कर्म के आरोप में दोषी पाते हुए महेंद्र वर्मा थाना अंतू को आजीवन कारावास तथा 46 हजार अर्थदंड से दंडित किया। अर्थ दंड की राशि पीड़िता को उसके मानसिक एवं चिकित्सीय आघात एवं पुनर्वास हेतु प्रदान की जाएगी । राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक निर्भय सिंह ने की। वादी मुकदमा के अनुसार घटना 27 जून 2015 की रात 12.00 बजे की है। घर के सामने पीड़िता बरामदे में सोई थी। पीड़िता उम्र 14 वर्ष को गांव के महेंद्र वर्मा मुंह दबाकर चारपाई से जबरन घर के पश्चिमी पंचायत भवन के पीछे ले गया। पीड़िता के साथ जबरन बलात्कार किया। विरोध करने पर पीड़िता को काफी मारा पीटा। वादी मुकदमा और उसकी पत्नी उस समय रिश्तेदारी में गए थे। घटना के बाद पीड़िता बेसुध हो गई थी। करीब 2 घंटे बाद अपने घर आई और घटना की जानकारी अपनी चाची को दी। अभियोजन की ओर से छह गवाहों के माध्यम से 10 प्रदर्शो को साबित कराया गया। एक अन्य घटना में सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। रानीगंज कोतवाली थाना क्षेत्र की एक नाबालिक के साथ पट्टी कोतवाली क्षेत्र के बेलसंडी गांव में रहने वाले चार नामजद आरोपियों ने सामूहिक किया था। मामले की जांच कर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। दो आरोपियों को एक दिन पहले मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। इस मामले में फरार आरोपी मोहम्मद सोनू ने गुरुवार को पॉक्सो अधिनियम की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है।

संजय निषाद ने की सीएम योगी से मुलाकात

अधिकारियों की शिकायत के साथ बेटे सरवन निषाद के लिए मांगी सुरक्षा

लखनऊ, एजेंसी। यूपी संगठन और सरकार की में आंतरिक कलह जारी है। इस बीच बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के नेता लगातार सीएम योगी से अफसरों की मनमानी की शिकायत कर रहे हैं। गुरुवार को निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने सीएम योगी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम से अधिकारियों की शिकायत की है। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री अफसरों की मनमानी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि अफसरों के न सुनने का असर चुनाव पर पड़ता है। अफसरों के कामकाज पर अपने बयानों में संजय निषाद लगातार हमलावर रहे हैं। इसके साथ ही संजय निषाद ने अपने बेटे की सुरक्षा हटाए जाने पर भी सीएम योगी से बात की। साथ ही फिर से सुरक्षा प्रदान करने को कहा है। बता दें कि उनके बेटे और बीजेपी विधायक सरवन निषाद ने सुरक्षा को लेकर सीएम को पत्र लिखा था।

अकबरनगर के बाद चौक फूल मंडी भी खत्म, हुआ जबरदस्त बुलडोजर एक्शन

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में प्रशासन का बुलडोजर एक्शन जारी है। जहाँ एक तरफ अकबरनगर में अवैध अतिक्रमण को लेकर बड़ी कार्रवाई को लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अंजाम दिया था, वहीं अब ऐसी ही कार्रवाई मशहूर चौक फूल मंडी में हुई है। गुरुवार को हुसैनाबाद ट्रस्ट की जमीन पर चौक स्थित कंचन मार्केट के सामने लगने वाली फूल मंडी पर बुलडोजर चलाया गया है। यहां मौजूद छोटे-बड़े कई निर्माण को प्रशासन ने जमींदोज कर दिया है। कई बरसों से यहां जमीन पर थोक में फूल बेचने वाले अपना कारोबार चलाते थे। गुरुवार को फूल मंडी हटाने के दौरान नगर निगम टीम के साथ हुसैनाबाद ट्रस्ट के लोग भी मौके पर मौजूद रहे। भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में बुलडोजर से वहां बने निर्माणों को ध्वस्त किया गया। ये पूरी कार्रवाई एसडीएम और एसीपी चौक की मौजूदगी में हुई। बताते चलें कि 29 सितम्बर 2019 को विभूति खंड, गोमती नगर स्थित किसान बाजार में चौक फूलमंडी को स्थानांतरित किया गया था। जिसके बाद फूल व्यापारी कल्याण समिति ने स्वयं फूल मंडी हटाने का समय मांगा था। बताया जा रहा है कि तय समय में मंडी न हटाए जाने के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 27 लाख की ठगी,22 युवक हुए शिकार

बांदा, एजेंसी। जनपद में जल जीवन मिशन योजना में नौकरी दिलाने के नाम पर 22 बेरोजगार युवकों से 27.70 लाख रुपए ठग लिए गए। ठगी के शिकार बने एक युवक ने मरका थाने में आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। आपको बता दें कि बेरोजगार युवकों को जल जीवन मिशन में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक ठग ने जनपद समेत आस पास के जिलों के 22 बेरोजगार युवकों से 27.70 लाख रुपए की ठगी कर ली। पारा बन्नो बेगम गांव निवासी रोहित सिंह ने मरका थाने में तहरीर देते हुए बताया कि एक व्यक्ति ने उसे बताया कि जल जीवन मिशन में अगर नौकरी चाहिए तो 1.20 लाख रुपए देना होगा। इसके अलावा फॉर्म का अलग से 8000 रुपए लगेगा और ठग के चंगुल में 22 बेरोजगार युवक फंस गए। सभी ने रुपए जमा कर दिए। फॉर्म भरने की औपचारिकता पूरी करने के बाद एग्रीमेंट भराया गया। एग्रीमेंट में आरोपी ने हस्ताक्षर किया और नियुक्त पत्र देते समय ठग ने उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद भी उसे नौकरी नहीं मिली तो लखनऊ में जल जीवन मिशन कार्यालय जाकर उसने जानकारी हासिल की, तभी विभागीय अधिकारियों ने नियुक्त पत्र को फर्जी बताया।

संक्षिप्त

कांवर यात्रा में नेमप्लेट कन्ट्रोवर्सी पर पाक पत्रकार को सवाल करना पड़ गया भारी, अमेरिका ने सरेआम कर दी बेइज्जती

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने गुरुवार को कांवर यात्रा में नेमप्लेट के मुद्दे को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश वर्तमान में प्रभावी नहीं है। पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में मिलर ने कहा कि अमेरिका को इन रिपोर्टों की जानकारी है। हमने उन रिपोर्टों को देखा है। हमने उन रिपोर्टों को भी देखा है कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने 22 जुलाई को उन नियमों के कार्यान्वयन पर अंतरिम रोक जारी की थी। एएनआई ने मिलर के हवाले से कहा कि इसलिए वे वास्तव में प्रभावी नहीं हैं। मिलर ने आगे कहा कि आम तौर पर कहें तो, हम दुनिया में कहीं भी सभी के लिए धर्म और विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने और उसकी रक्षा करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं। और हम सभी धर्मों के सदस्यों के लिए समान व्यवहार के महत्व पर अपने भारतीय समकक्षों के साथ जुड़े हुए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य राज्य सरकारों को अपने आदेश को लागू करने से रोक दिया था, जिसके तहत कांवर यात्रा मार्गों पर दुकान मालिकों और फेरीवालों को अपने और अपने कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने की आवश्यकता थी। कोर्ट ने कहा कि केवल परोसे जाने वाले भोजन के प्रकार का ही उल्लेख किया जाना चाहिए।

सीपीईसी और पाकिस्तान के अत्याचारों के खिलाफ विशाल प्रदर्शन करेंगे बलूच, कार्यकर्ता महरंग का एलान

ग्वादर (बलूचिस्तान)। बलूच अधिकार कार्यकर्ताओं ने बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर में एक विशाल सभा और विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। बलूच अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाली कार्यकर्ता महरंग बलूच ने 28 जुलाई को आगामी कार्यक्रम की घोषणा की है। उन्होंने इसे बलूच राष्ट्रीय सभा का नाम दिया है। बलूचों का यह प्रदर्शन जिले में चल रहे बलूच नरसंहार और शोषण के खिलाफ हो रहा है। महरंग बलूच ने एक्स पर लिखा, ''बलूच राष्ट्रीय सभा बलूचों के नरसंहार, मेगा परियोजनाओं की आड़ में बलूचों के संसाधनों की लूट और सुरक्षा के नाम पर बलूचिस्तान को जेल में बदलने के लिए खिलाफ एक ऐतिहासिक सार्वजनिक जनमत संग्रह होगा। एक शक्तिशाली सार्वजनिक प्रतिरोध की शुरूआत होगी।''

सीपीईसी जैसे परियोजनाओं का लोगों को नहीं मिल रहा लाभ

यह एलान ऐसे समय में किया गया है, जब कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं कि बलूचिस्तान के लोगों का दशकों पुराने औपनिवेशिक शासन की तरह उत्पीड़न किया जा रहा है। यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है और चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) जैसी विकास पहल का केंद्र बिंदु रहा है। हालांकि, स्थानीय लोग इन परियोजना का विरोध करते रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें इन परियोजनाओं में कम लाभ मिलता है।

दशकों से अत्याचार और दमन झेल रहा बलूचिस्तानरू बलूच एकजुटता समिति

बलूच एकजुटता समिति ने

एक्स पर लिखा, ष्बलूचिस्तान ने सात दशकों तक अत्याचार और दमन झेला है। यह औपनिवेशिक शासन की याद दिलाता है। इस भूमि के मूलनिवासी होने के बावजूद बलूच लोग लगातार खतरे में रह रहे हैं। गायब होने और न्यायेतर हत्याओं का सामना कर रहे हैं और आर्थिक रूप से हाशिए पर रह रहे हैं।ष

बलूच लोगों को नहीं मिल रहीं मूलभूत सुविधाएं

पाकिस्तान सीपीईसी से बलूचिस्तान के विकास का दावा करता है। लेकिन, ग्वादर के निवासियों को बुनियादी सुविधाओं की कमियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें चिलचिलाती गर्मी के बीच पीने के साफ पानी और अनियमित बिजली आपूर्ति शामिल है।

समिति ने लोगों से प्रदर्शन में जुटने का किया आह्वान

बलूच एकजुटता समिति ने एक्स पर लिखा, पाकिस्तान की ओर से प्रचारित विकास ने हमारी दुर्दशा को और बढ़ा दिया है। हमारे घरों को जेलों में बदल दिया है। जबकि हमारी पैतृक भूमि का आर्थिक लाभ के लिए शोषण किया जा रहा है। बलूच राष्ट्रीय सभा का मकसद कार्यकर्ताओं को राज्य प्रायोजित दमन और आर्थिक शोषण के खिलाफ व्यापक समर्थन जुटाना है। यह आयोजन न्याय, स्वायत्तता और बलूच अधिकारों की मांग के लिए एक सामूहिक प्रदर्शन है।

समिति ने कहा, हम अपने लोगों की पीड़ा और हमारी सांस्कृतिक व आर्थिक विरासत के नुकसान के बीच चुप रहने रहने से इनकार करता हैं। समिति सभी बलूच नागरिकों को उत्पीड़न के खिलाफ एक होकर आंदोलन शुरू करने के लिए ग्वादर में हमारे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करती है।

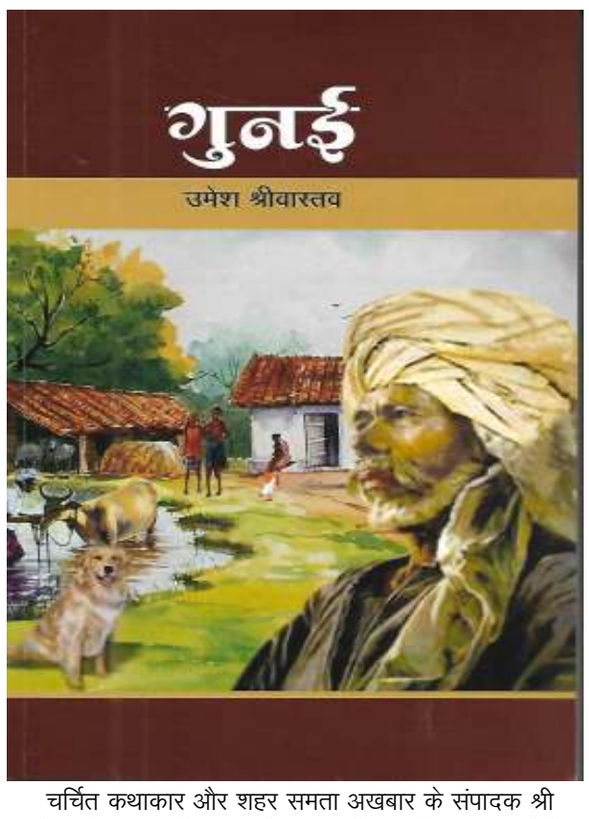

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

पूर्व सेना प्रमुख ने किया फिर चुनाव लड़ने का एलान, विक्रमसिंघे को राष्ट्रपति पद के लिए देंगे टक्कर

कोलंबो। श्रीलंका में जल्द राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इसी को लेकर अब बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सरथ फोनसेका ने गुरुवार को एलान किया कि वह भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने औपचारिक रूप से आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की।

कौन हैं फोनसेका?

फोनसेका श्रीलंका की सेना के 18वें कमांडर थे और उनकी अगुवाई में 2009 में लिट्टे की हार के बाद तीन दशक से चल रहा गृह युद्ध समाप्त हुआ था। वह कुछ समय के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी रहे। सेना से जनरल के पद से सेवानिवृत्त

होने के बाद, उन्होंने 2010 के राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के खिलाफ चुनाव लड़कर आम विपक्षी उम्मीदवार के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। हालांकि, तब उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था। बता दें, श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच होंगे। चुनाव की तारीख की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी।

हमें दिवालियापन की ओर धकेल दियारू फोनसेका

इस बीच, फोनसेका ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मैं देश के लोगों के समक्ष राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि 76 सालों तक हम एक अयोग्य राजनीतिक समूह के नेतृत्व में रहे हैं, जिसने हमें दिवालियापन की ओर धकेल दिया। श्रीलंका के विकास के लिए हमें भ्रष्टाचार को कुचलने की जरूरत है। हमें आय सृजन को बढ़ावा देने के लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। यह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में मेरी औपचारिक और आधिकारिक घोषणा है। 73 साल के पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि वह सभी श्रीलंकाई लोगों को द्वीप को भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

ट्रंप की हत्या के प्रयास के मामले की होगी जांच, प्रतिनिधि सभा ने दी टास्क फोर्स गठित करने की मंजूरी

पेंसिल्वेनिया की रैली में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई। इस कोशिश को लेकर अमेरिकी सदन में प्रस्ताव लाया गया। प्रतिनिधि सभा ने घटना की जांच के लिए समर्पित दो दलीय टास्क फोर्स बनाने के लिए मतदान करने की मांग की। इस टास्क फोर्स के गठन के प्रस्ताव को व्यापक द्विदलीय समर्थन मिला। यह प्रस्ताव 416 मत से पारित हुआ। टास्क फोर्स के गठन की घोषणा सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन और सदन के डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने संयुक्त रूप से की। इस टास्क फोर्स में से सात रिपब्लिकन नेता और छह डेमोक्रेटिक नेता शामिल होंगे। स्पीकर जॉनसन ने यह भी बताया कि टास्क

फोर्स में कौन–कौन शामिल होगा, इसकी जानकारी गुरुवार को दी जाएगी। जिसमें जेफ्रीज उनके साथ परामर्श के बाद नामांकन करेंगे। टास्क फोर्स का काम जल्दी कुशलतापूर्वक, प्रभावी ढंग से किया जाए, इसकी मांग अमेरिका की जनता कर रही है। सदन की निगरानी समिति ने घटना से पहले सुरक्षा उल्लंघनों की जांच शुरू कर दी है। बढ़ते दबाव के जवाब में सुरक्षा विफलताओं के बारे में समिति द्वारा व्यापक पूछताछ के बाद सीक्रेट सर्विसक डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने भी इस सप्ताह में इस्तीफा दे दिया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान पेंसिल्वेनिया राज्य पुलिस आयुक्त की गवाही ने रैली के आसपास की विशिष्ट सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने भी गवाही दी, जिसके अनुसार हमलावर ने पिछली राजनीतिक हत्याओं के विवरण की जांच की थी, ट्रंप की हत्या के प्रयास से कुछ समय पहले रैली के पास एक ड्रोन का संचालन किया था। संयुक्त बयान में स्पीकर जॉनसन और नेता जेफ्रीज ने तथ्यों को तेजी से उजागर करने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में सुरक्षा विफलताओं को रोकने के लिए टास्क फोर्स की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

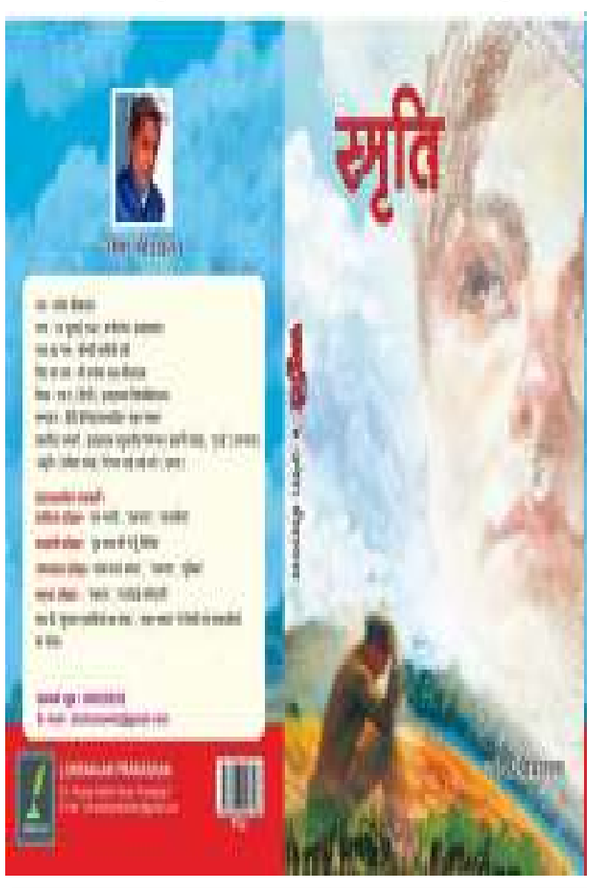

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

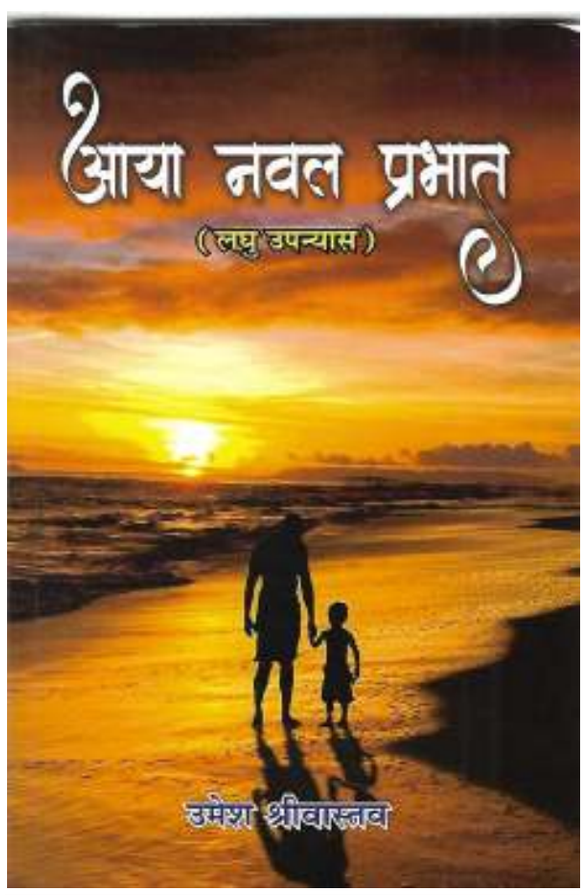

पासपोर्ट के मामले में पाकिस्तान की स्थिति खराब, रैंकिंग में नीचे से चौथे स्थान पर

इस्लामाबाद। विश्व स्तर पर सबसे खराब पासपोर्ट के मामले में पाकिस्तान ने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के अनुसार, सबसे खराब पासपोर्ट के रूप में पाकिस्तान चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान ने अपनी यह स्थिति पिछले चार साल से बरकरार रखी है। मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान का पासपोर्ट यमन के साथ 100वें स्थान पर है। पाकिस्तान के पासपोर्ट के जरिए केवल 33 देशों में बिना वीजा के प्रवेश लिया जा सकता है।। सबसे खराब पासपोर्ट के मामले में पाकिस्तान केवल ईरान (01), सीरिया (102) और अफगानिस्तान (103) से आगे है। रैंकिंग को लेकर एक विज्ञप्ति में कहा गया, अफगानिस्तान के पासपोर्ट को दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट बताया गया है। इस पासपोर्ट के जरिए केवल 26 देशों में बिना वीजा के प्रवेश पा सकते हैं। पिछले 19 वर्षों में यह इतिहास का सबसे कम स्कोर है। सबसे मजबूत पासपोर्ट के मामले में सिंगापुर शीर्ष पर है। सिंगापुर के पासपोर्ट के जरिए 195 देशों में बिना वीजा प्रवेश ले सकते हैं। दूसरे स्थान पर जर्मनी, इटली, जपान, फ्रांस, और स्पेन है।

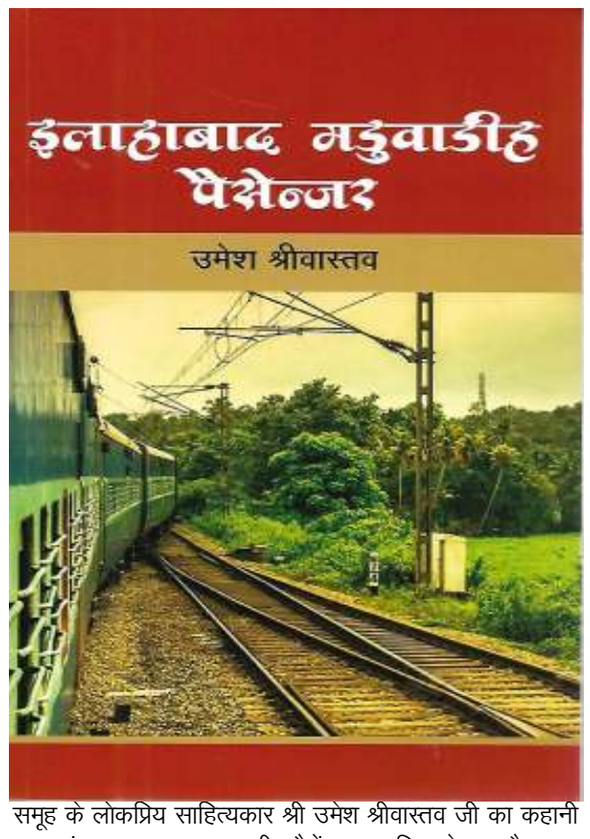

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

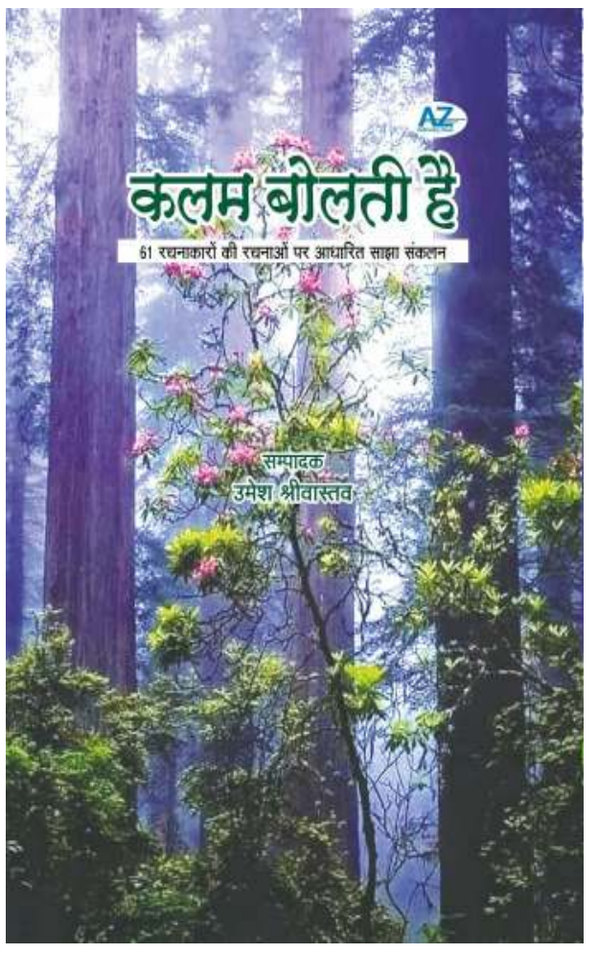

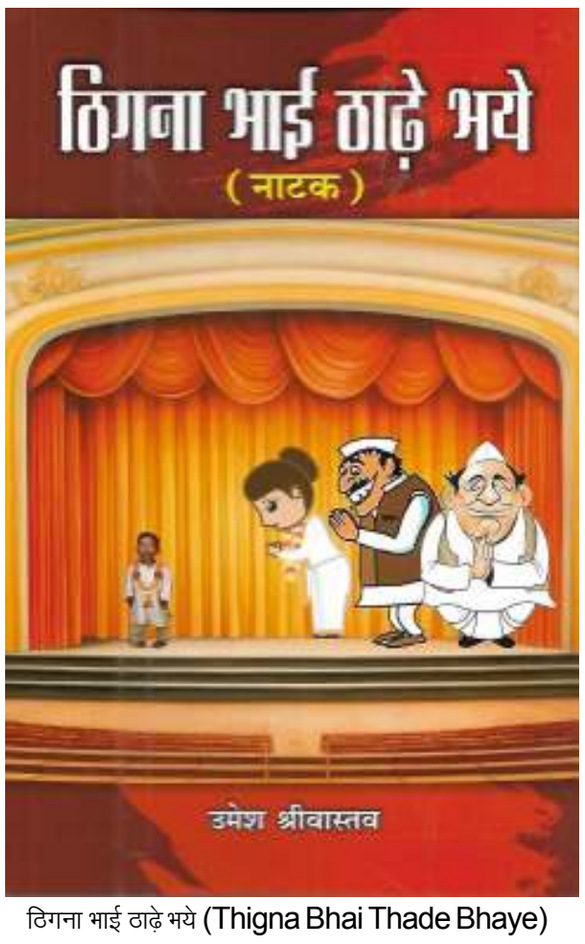

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।